संलग्न क्र.4

(01)

कार्यवाही विवरण

मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम–कोसमपाली, बरमुड़ा, धनागर, सराईपाली, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना क्लिंकर क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., सीमेंट क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., डब्ल्यू.एच.आर.एस.–12 मेगावाट एवं डीजी सेट–500 के.व्ही.ए. की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 29 दिसम्बर 2022 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम–कोसमपाली, बरमुड़ा, धनागर, सराईपाली, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना क्लिंकर क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., सीमेंट क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., डब्ल्यू.एच.आर.एस.–12 मेगावाट एवं डीजी सेट–500 के.व्ही.ए. की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 29.12.2022, दिन–गुरूवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–कोसमपाली बस्ती, पुराना रेल्वे क्रासिंग के समीप का मैदान, ग्राम–कोसमपाली, तहसील व जिला–रायगढ़ (छ.ग.)** में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ़, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगो का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रांरभ हुई। आदरणीय कलेक्टर महोदया, आदरणीय क्षेत्रीय अधिकारी महोदय, समस्त प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, उपस्थित समस्त ग्रामवासियों आप सभी का मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड की लोकसुनवाई में हार्दिक अभिनदंन है। यह एक परियोजना जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड की है जो कि चार गांवो की जमीन में आती है कोसमपाली, बरमुड़ा, धनागर, सराईपाली यह तहसील जिला रायगढ़ में प्रस्तावित है, जिसमें कि सीमेंट परियोजना की क्षमता क्लिंकर क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., सीमेंट क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., डब्ल्यू.एच.आर.एस.–12 मेगावाट एवं डीजी सेट--500 के.व्ही.ए. है और आज हम यहां इस जनसुनवाई के लिये एकत्रित हुये हैं। जैसा कि क्षेत्रीय

अधिकारी महोदय ने बताया कि यह एक प्रावधानों के तहत् होता है पर्यावरण वन मंत्रालय नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 14 सितम्बर 2006 के अनुसार। इस परियोजना के लिये सबसे पहले जलवायु एवं वन पर्यावरण मंत्रालय में आवेदन ज़मा कराया गया था, उसके बाद वहां एक तकनीकी प्रस्तुतीकरण करने के पश्चात् वहां से टर्म्स ऑफ रेफरेंस एक पत्र जारी किया गया था और उसी दौरान तीन माह का समय लेके यहां एक अध्ययन कार्य शुरू किया गया, आस पास के गांवों में जल, वायु, ध्वनि गुणवत्ता आदि का विश्लेषण किया गया और उसके बाद हम लोग यहां पब्लिक हीयरिंग के लिये इकट्ठा हुये हैं इसके लिये यहां के समाचार पत्रों में जनसुनवाई के लिये प्रकाशन किया गया है जो कि एक माह पूर्व किया गया है। परियोजना के बारे में मैं संक्षिप्त जानकारी देना चाहूंगा। परियोजना की क्षमता क्लिंकर क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., सीमेंट क्षमता–2.5 एम.टी.पी.ए., डब्ल्यू.एच.आर.एस. –12 मेंगावाट एवं डीजी सेट–500 के.व्ही.ए. है जो कि ग्राम कोसमपाली, बरमुड़ा, धनागर, सराईपाली तहसील व जिला–रायगढ़ में आती है। परियोजना के क्षेत्र की बात करें तो कुल परियोजना क्षेत्र 65.941 हेक्टेयर है जिसमें से 29.838 हेक्टेयर सरकारी भूमि है और 35.267 हेक्टेयर निजी भूमि है और 0.836 हेक्टेयर वन भूमि है जिसके लिये वन भूमि के लिये भारत सरकार को आवेदन किया गया है उसके डायवर्सन के लिये। अभी कंपनी पास 55.429 हेक्टेयर भूमि उनके स्वामित्व में है और बाकी भूमि जे.एस.पी.एल. से हस्तांतरित करने की प्रक्रिया में है। हरित पट्टिका वृक्षारोपण की बात करें तों कुल परियोजना में से 65.941 हेक्टेयर उसका 33 प्रतिशत भाग में वृक्षारोपण किया जायेगा जो कि अनुमानित 21.76 हेक्टेयर होता है। परियोजना से निकटतम ग्राम कोसमपाली है जो पूर्व दिशा में 50 मीटर दूरी पर है। निकटतम शहर रायगढ़ है जो 5.5 कि.मी. दक्षिण पूर्व दिशा मे है। राष्ट्रीय राजमार्ग–200 जो 02 कि.मी. पूर्वोत्तर दिशा में है, राष्ट्रीय राजमार्ग–49 जो 5.5 कि.मी. पूर्व दिशा मे है। निकटतम रेल्वे स्टेशन किरोड़ीमल नगर है 1.5 कि.मी. उत्तर–पश्चिम दिशा में, रायगढ़ रेल्वे स्टेशन है 5.5 कि.मी. दक्षिण पूर्व दिशा मे, भूपदेवपुर रेल्वे स्टेशन है 10 कि.मी. उत्तर दिशा में। निकटतम हवाई अड्डा है झारसुगड़ा हवाई अड्डा 98 कि.मी. पूर्व दिशा मे। कोई भी राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीवन अभ्यारण, टाईगर रिजर्व 10 कि.मी. के एरिया क्षेत्र में नहीं पाये जाते हैं, कुछ–कुछ आरक्षित वन, संरक्षित वन पाये जाते हैं जो कि 05–10 कि.मी. क्षेत्र में पाये जाते हैं। परियोजना की कुल लागत 2119 करोड़ रूपये है, संरक्षण उपयों के लिये एक लागत का प्रावधान 100 करोड़ दिया गया है जोकि एक कैपिटल कॉस्ट है और 05 करोड़ रूपये प्रतिवर्ष की आवर्ती लागत का प्रावधान किया गया है। किसी भी परियोजना के लिये रॉ–मटेरियल कच्चा समाग्री आवश्यक होता है जैसे यह एक सीमेंट परियोजना है जिसे बनाने में कच्च माल जैसे चूना पत्थर, चूना पत्थर जे.एस.पी.एल का ही एक लाईम स्टोन माईन है जो कि बिलासपुर जिला तहसील मस्तुरी में है, इसमे 3.88 मिलियन टन प्रतिवर्ष चूना पत्थर वहां से लिया जायेगा और इस चूना पत्थर को लाने के लिये रेलमार्ग भी उपयोग किया जायेगा और रोडमार्ग भी उपयोग किया जायेगा। वहां पर उस माईन से 35 कि.मी. दूरी पर रेल्वे साईडिंग है जयरामनगर, वहां तक रोड से लायेंगे फिर जयरामनगर से रेल से लाया जायेगा। लौह अयस्क के लिय जे.एस.पी.एल. रायगढ़ स्टील प्लांट जो 01 कि.मी. से भी कम दूरी पर है वहां से आंतरिक सड़कों के माध्यम से लाया जायेगा। बी.एड. फ्लैग हैं वो भी अपने रायगढ़

स्टील प्लांट से लिया जायेगा आंतरिक सड़कों द्वारा टिपर्स के माध्यम से। जिप्मस की आवश्यकता है वो कोरोमण्डल विशाखापट्टनम से लिया जायेगा जो कि रेल द्वारा आयेगा। फ्लाई ऐश भी रायगढ़ जे.एस.पी.एल. पॉवर प्लांट से आयेगा जिसकी दूरी भी 01 कि.मी. से कम है वकर्स के माध्यम से यहां लाया जायेगा। ईंधन की बात करें तो कोयला और पेट कोक की आवश्यकता होगी, कोयला 0.463 मिलियन टन प्रतिवर्ष और पेट कोक 0.241 मिलियन टन प्रतिवर्ष की आवश्यकता है जोकि कोरबा कोयला क्षेत्र से आयेगा और सड़क और रेलमार्ग दोनों ही उपयोग किया जायेगा। इसके अलावा कुछ बुनियादी आवश्यकता है परियोजना के लिये जैसे पानी 1000 कि.ली. प्रतिदिन की आवश्यकता होगी जो कि महानदी से लिया जायेगा, पॉवर 35 मेगावॉट की आवश्यकता होगी जो जे.एस.पी.एल. रायगढ़ और डी.जी. सेट से आपूर्ति की जायेगी। श्रम शक्ति के लिये अगर एक चरणबद्ध देखें तो नियम में 335 लोगों की, संवेगात्मक 239 लोगों की कुल 560 लोगों की आवश्यकता होगी, ट्रायल फेस में भी स्थानीय लोगों को उनके क्वालिफिकेशन के हिसाब से प्राथमिकता दी जायेगी। अगर स्टेप में देखे कि कैसे सीमेंट का निर्माण किया जायेगा तो सबसे पहले चूना पत्थर की क्रशिंग की जाती है और अलग से कोयल की क्रशिंग, स्टैकिंग, रिक्लेमिंग की जायेगी, रॉ मिल्म और किल्न फिल्ड को तैयार किया जायेगा, उसके बाद क्लिंकर फॉर्मेलाईजेशन किया जायेगा क्लिंकर बनता है, क्लिंकर बनाया जायेगा फिर सीमेंट ग्राईंडिंग और भण्डारण होगा, हीट रिकवरी सिस्टम के लिये डब्ल्यु.एच.आर.एस. सिस्टम लगाया जायेगा और वैकल्पिक ईंधन का उपयोग किया जायेगा। इस परियोजना के लिये हमने आधारभूत अध्ययन का विश्लेषण किया उसके लिये 10 कि.मी. त्रिज्या क्षेत्र में 09 स्थानों पर हमने वायु गुणवत्ता की जांच की, 09 स्थानों पर ध्वनि स्तर की जांच की, 04 स्थानों पर सतही जल की सैम्पलिंग की, 08 स्थानों पर भूजल की क्वालिटी की जांच की थी। इसमें अगर पीएम10 की मात्रा देखे तों 50.4 से 86.4 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर इसका एक मानक 100 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर है जो कि निर्धारित मानकों के भीतर ही पाया गया, पीएम2.5 की मात्रा देखे तों 27 से 51.3 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर जोकि मानक 60 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर की अंदर पाया गया। सल्फर डाई ऑक्साईड 12 से 29.9 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर है जोकि मानक 80 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर की अंदर पाया गया। नाइट्रोजन डाई ऑक्साईड 6.1 से 13.7 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर है जोकि मानक 80 माइक्रोग्राम प्रतिघनमीटर की अंदर पाया गया। इसी प्रकार ध्वनि स्तर की जांच की तो ध्वनि मापन दिन के समय 51.70 से 61.30 डी.व्ही.ए. पाया गया, रात के समय 41.90 से 54.70 डी.व्ही.ए. पाया गया, इसका मानक है दिन के समय 75 और रात के समय 70 डी.व्ही.ए. है। सतही जल में पी.एच की मात्रा 7.02 से 7.35 पाई गई और कठोरता 143.5 से 222.7 मिलीग्राम प्रतिलीटर पाई गई, क्षारियता 61.7 से 133 मिलीग्राम प्रतिलीटर पाई गइ, कुल घुलक ठोस 184 से 351 मिलीग्राम प्रतिदिन पाया गया, ये सभी निर्धारित मानकों के अंदर पाया गया। भूजल के सैम्पलिंग में भी पी.एच. 6.95 से 7.42 पाया गया कुल कठोरता 282.1 से 529.6 मिलीग्राम प्रतिलीटर पाया गया, क्षारियता 251.7 से 422.7 मिलीग्राम कुल घुलक ठोस 444 से 809 मिलीग्राम पाया गया। मृदा की सैम्पलिंग 08 स्थानों पर की गई जहां मिट्टी की प्रकृति थोड़ा अम्लीय से मध्यम क्षारीय प्रकृति का था, पी.एच. 6.67 से 7.45 पाया गया और कार्बनिक पदार्थ 1.1 से 1.97 प्रतिशत पाया गया। पर्यावरण

प्रबंधन योजना में चूंकि ये सीमेंट परियोजना है और कंपनी प्रयासरत है कि कम से कम प्रदूषण हो इसके लिये पर्यावरण प्रबंधन योजना बनाई गई है जो कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन की बात करें तो मेजर सोर्स है लाईम स्टोन जो लाईम स्टोन माईन से आयेगा सड़क मार्ग का उपयोग नहीं किया जायेगा रेल्वे साईडिंग तक रोड से आयेगा वहां से रेलमार्ग द्वारा इस परियोजना तक आयेगा तो किसी प्रकार के सार्वजनित रोड का उपयोग इसमें किया नहीं जायेगा। कन्वेयर बेल्ट में स्टैकर फीड पॉईंट में वॉटर स्प्रिंकलर नोंजल का उपयोग किया जायेगा। सभी समाग्री स्थानांतरण बिन्दुओं पर बैग फिल्टर लगाई जायेगी, सड़को की सफाई वैक्युम क्लिीनिंग मशीन द्वारा की जयेगी जिससे कम से कम फ्युजिटिव डस्ट एमीशन हो। वायु प्रदूषण कम करने के लिये कुल परियोजना के 33 प्रतिशत भाग में वृक्षारोपण किया जायेगा इसका एरिया 21.76 हेक्टेयर आता है। वाहनों और मशीनों का बेहतर रख रखाव किया जायेगा, ऑयलिंग और ग्रीसिंग की जायेगी जिससे किसी प्रकार का उसमें पॉल्युशन न हो, वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण का समय–समय पर रख रखाव किया जायेगा। जल प्रबंधन योजना मे यह जो प्रक्रिया है सीमेंट बनाया जाता है यह एक शुष्क प्रक्रिया में बनाया जाता है इसमें किसी भी प्रकार का अपशिष्ट जल उत्पन्न नहीं होता है। परियोजना के अन्य जगह से गंदा जल निकलेगा उसे पुनः नवीनीकरण कर धुल दमन और वृक्षारोपण में उपयोग किया जोयगा। अपशिष्ट जल बाहर नहीं छोड़ा जायेगा क्योंकि उसको बॉयलर ब्लो डाउन वॉटर होगा उसे एसटीपी में डालने के बाद धूल दमन में युज किया जायेगा। कॉलोनी के दूषित जल को भी एसटीपी में उपचारित करके ग्रीन बेल्ट में उपयोग किया जायेगा। पानी की गुणवत्ता की समय समय पर मॉनिटरिंग की जायेगी उसकी सैम्पलिंग की जायेगी। शोर प्रबंधन योजना के लिये कम शोर वाले मशीन का उपयोग किया जायेगा और उन्हे इन्सुलेट सिलिंग में रखा जायेगा, मशीन के पास काम करने वाले ऑपरेटर और व्यक्ति के सुरक्षा के लिये ईयर प्लग और ईयर मप प्रदान किये जायेंगे। शोर को कम करने के लिये समय–समय पर मशीनों का उचित रख रखाव किया जायेगा और परियोजना का 33 प्रतिशत भाग ग्रीन बेल्ट में उपयोग किया जायेगा। ध्वनि स्तर का समय–समय पर निगरानी की जायेगी और संबंधित मशीन में उसके अनुसार सुधारात्मक उपाय किये जायेंगे। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिये जैसे कि जब सफाई की जायेगी तो उसके लेवलिंग के लिये उत्पन्न अपशिष्ट का उपयोग किया जायेगा। उच्च पुर्नचक्रण मूल्य निर्माण समाग्री को पुर्नचक्रणकर्ता को बेचा जायेगा। श्रमिको द्वारा उत्पन्न गीले और सूखे ठोस अपशिष्ट को अलग अलग कुड़ेदान में रखकर उनको अपचारित किया जायेगा। बाहरी विक्रेताओं को रिफेक्ट्री ईंटों का निपटान किया जायेगा। वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण ई.एस.पी. एवं बैग फिल्टर लगाये हैं उससे एकत्रित धूल को रिसायकलिंग किया जायेगा। हरित पटिट्का में जो खाद उपयोग होगा वो एस.टी.पी. से जो स्लज उत्पन्न होगा उसका उपयोग किया जायेगा। कुल परियोजना में से 65.941 हेक्टेयर उसका 33 प्रतिशत भाग में वृक्षारोपण किया जायेगा जो कि अनुमानित 21.76 हेक्टेयर होता है जिसमें वृक्षारोपण किया जायेगा। 2000 से 2500 प्रति हेक्टेयर के अनुसार पेड़ लगाये जायेंगे और देशी पौधों की प्रजातियों को उसमें लगाया जायेगा। परियोजना द्वारा पर्यावरण लाभ जैसे ग्रीन बेल्ट निर्माण, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया जायेगा जिससे भूजल संवर्धन किया जा सकेगा। आर्थिक लाभ की बात करें तो कर है, रॉयल्टी

है, डी.एम.एफ है आदि के द्वारा राज्य सरकार, केन्द्रीय राजकोष में वृद्धि होगी। सामाजिक लाभ देखे तों आस पास के लोगों को रोजगार मिलेगा साथ ही उनके सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सी.एस.आर. के माध्यम से कंपनी समय–समय पर आस पास के लोगों के लिये स्वास्थ्य और शिक्षा में काम करती आ रही है और आगे भी करती रहेगी। धन्यवाद।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित ज्वलंत मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहा सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

आपके द्वारा रखे गये तथ्यों, वक्तव्यों/बातों के अभिलेखन की कार्यवाही की जायेगी तथा आपसे प्राप्त सुझाव, आपत्ति तथा ज्वलंत मुद्दों पर प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार द्वारा बिन्दुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण भी दिया जायेगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जायेगी, पुनः अनुरोध किया कि आप जो भी विचार, सुझाव, आपत्ति रखे संक्षिप्त, सारगर्भित तथा तथ्यात्मक रखें ताकि सभी को सुनवाई का पर्याप्त अवसर मिले तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 700–800 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 80 लोगों ने हस्ताक्षर किये हैं। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. सिया उरांव, कोसमपाली – मैं जिंदल का समर्थन करती हूं और मैं सबसे पहले बताना चाहूंगी हमारे शिक्षा के बारे में कि जिंदल ने हमारे शिक्षा के बारे में सभी लोग जानते हैं कि उन्होनें हमारे शिक्षा के लिये क्या क्या किया है। स्कूल के लिये कुर्सी दिया है बच्चों के लिये पंखा दिया है और स्कूल के क्षेत्र के लिये क्या क्या दिया है। मैं अपने आत्मविश्वास से बता रही हूं जैस कि हमारे गांव में आस पास की बच्चियां हैं जो ब्युटी पार्लर सिखने जा रही हैं जो अपनी प्रतिभा हुनर को बता रहीं हैं और बच्चियां है जो पढ़ के अभी निकली हैं उनके पास पैसे की सुविधा नहीं हो पा रही है वो नर्सिंग सिखना चाह रही हैं वो बच्चियां फ्री में नर्सिंग कोर्स कर रही हैं। और यहां के बच्चों को फ्री में कम्प्युटर सिखाया जा रहा है। हम सभी जानते है कि पैसे के बिना कोई आदमी अपने बहुत से शिक्षाओं को प्राप्त नहीं कर सकते उसके बाद भी यहां बच्चों को फ्री में कम्प्युटर सिखाया जा रहा है। उसके बाद हमारे यहां छोटे छोटे प्रोग्राम होते हैं जो बच्चों के कला को दिखाते हैं जैसे कि पेन्टिंग एवं पोएम एवं उसके अन्दर और भी कला हो जैसे कि टोकरी बनाने का सूपा बनाने का छत्तीसगढ़ी में या चरखा बनाने का इस तरह के हुनर को देखते हैं और निखारते हैं और उनको आसमान की बुलंदियों पर पहुंचाते हैं। और देखिये हमारे बच्चे अच्छे से पढ़ते हैं लिखते हैं अच्छे अंक से पास होते हैं तो उन्हे स्कॉलरसिप दिया जाता है उनका उत्साहवर्धन किया जाता है ताकि वो

अपनी मर्जी को छू सके आसमान की बुलंदियों को छू सकें। और हमारे जो बच्चे अच्छे पढ़ते हैं उन्हे जिंदल स्कूल में फ्री में एडमिशन देते हैं जिंदल शिक्षा के क्षेत्र में मार्गदर्शन में बच्चे आगे बढ़ रहें हैं। मैं उन्हे धन्यवाद कहना चाहूंगी। मैं स्वास्थ्य के क्षेत्र में कहना चाहूंगी कि हमारे बहुत सी मदद करते हैं जैसे कि हम गरीबों के पास पैसों जिल्लत होती है तो हम जाते हैं और अपना कागत देते हैं तो हमारा ईलाज फ्री में होता है और हमारे गांव में एम्बुलेंस की सुविधा होती है जिससे हम लोग आ जा पाते हैं और माह में स्वास्थ्य सिविर आयोजन होता हैं जिसमें हमारा फ्री में ईलाज होता है। जैसे हम बड़ी बीमारियों के लिये उनके पास जाते हैं तो हमारे बात को सुनते हैं और फ्री में हमारा ईलाज करते हैं। और बहुत सारे हमारे सार्वजनिक कार्य हैं जैसे नाली का, सड़क का हो गया और बहुत कुछ करते हैं। जैसे की हाल ही में हमारे गांव के बच्चे लोग क्रिकेट खेलना चाह रहे थे वहां पर इन्होने सहायता की और क्रिकेट खेलने में सहायता की जिससे आस पास के सभी बच्चे आकर क्रिकेट खेले और अपना हुनर दिखाया और हमारे गांव के सार्वजनिक पूजा हो रहा है तो उसमें अपना योगदान देते हैं हमारे किसी भी कार्य में हमारा साथ देते हैं और इतने सारे हैं मैं शब्दों में बयां नहीं कर पा रही हूं पर भी बता रहीं हूं। यहां एक और चल रहा है जैसे कि हमारे अनपढ़ दीदीयां जो पढ़ नहीं पाये आर्थिक तंगी हो या किसी भी तंगी से पढ़ नहीं पाये उन्होने प्रौढ़ शिक्षा चलाया जहां हमारी दीदीयां गयीं और उन्होने सिखा कि भाई पढ़ना क्या होता है। और दीदी लोग आज खुद से पढ़ रहें हैं। प्रौढ़ शिक्षा दिया हमें। हमारी स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिये आजीविका का बहुत अच्छा बहुत अच्छा व्यवस्था किया। जब कोरोना चल रहा था तो हमारे यहां कितनी जिल्लत हो रही थी हम लोग जान रहें हैं कि क्या चींज खायें पियें उस समय हमें मास्क सिलने का कार्य दिया मास्क सिलकर अपने घर को चलाया। जिसके लिये मैं उनका धन्यवाद करना चाहूंगी। और महिलाओं दीदी को कहते रहते है आप लोग आजिविका में आगे बढ़कर पैसा कमाओं और पैसे कमाओं आजीविका के क्षेत्र में उन्होनें बहुत कुछ सिखाया जैसे कि सिलाई, बुनाई, कढ़ाई और मसरूम उत्पादन का ट्रेनिंग दिया हमकों बहुत से काम उन्होने दिया हमने लिया और उन कामों को करके हम बहुत अच्छे से महिला स्व सहायता समूह का संचालन कर रहे हैं। हमारे गांव में न केवल महिलाओं को बल्कि युवक, युवतियों और बच्चों को भी उन्होनें बहुत गाईड किया जो योग्य बच्चें, युवक, युवतियों को अपने प्लांट में नौकरियां भी दी जो आज अच्छे से काम करके अपने घर का संचालन कर रहे हैं। उन्होनें हमारें यहां नालियों का साफ–सफाई किया, सड़क का निर्माण कार्य करवाया और बहुत से कार्य करवाया। जैसे कोई गरीब बच्चा अपना उच्चिस्व नहीं कर पाता है। अपने पढ़ाई और कला को नहीं कर पाता हैं उनको आकर सिखाते हैं अपना योगदान देते हैं और बहुत सारे कार्य हैं जो जिंदल के द्वारा हुये हैं। बस मैं इतना कहकर अपनी वाणी को विराम देना चाहूंगी और जिंदल पैंथर का समर्थन करती हूं। धन्यवाद

2. सकुंतला चौहान, कोसमपाली – जिंदल को मैं धन्यवाद देती हूं है। जिंदल हम समय हमारे साथ है और हर समय हमारे सुख– दुःख को सुनते हैं। अपने वादा को पूरा कर रहें हैं। हर घर में बेरोजगार हैं उनको

रोजगार दे रहे है, जिंदल हमारे सुख– दुःख में साथ हैं। उन्होने हमें गोद लिया है। जिंदल यहां हमारे जमीन में बैठा है लेकिन हमसे भेदभाव न करते हुये हमारे हर बात को सुनता है। जिंदल बोल रहा है सबको रोजगार देना है और कोसमपाली गांव को साथ में लेकर चलना है। हम आपके साथ हैं बोल रहे हैं। नारी शक्ति जिंदाबाद हम उनके साथ हैं तो वो भी हमारे साथ हैं। हर कार्य को पूरा करें यही मेरी मन्नत है जिंदल की तरफ से।

3. पूर्णिमा चौहान – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है लेकिन मेरे पति एवं समस्त गांव वालों को जॉब चाहिये।
4. सुकृता राव, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हम चाहते है कि जिंदल भी हमें देखे, सुन और अपने वादा को पूरा करें और कर भी रहें हैं। शादी वगैरा कुछ होता है तो पानी, लकड़ी सब कुछ की व्यवस्था कर रहे हैं। मैने पढ़ना लिखना जिंदल के तरफ से ही सीखा है। जिंदल हमारे बात को हमेशा सुना है आगे भी सुनकर हमारे बच्चों को काम दे और समर्थन करें हमें भी।
5. रीता चौहान, कोसमपाली – शिक्षा और स्वास्थ्य में जो सहयोग दिया है उसी प्रकार आगे भी देते रहे इसलिये मैं जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड के समर्थन में हूं और आगे भी सहयोग करते रहें।
6. पूर्णिमा चौहान, सराईपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि हमारे रायगढ़ का नाम जिंदल से ही जाना जाता है और जिंदल बहुत बेरोजगारों को रोजगार दिया है इस तरह सभी का पालन पोषण होता है। रोजगार नहीं होने से पालन पोषण कहां से हो पाता। जिंदल रोजगार के प्रति आकर्षित लोगों को रोजगार भी देता है। इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करती हूं।
7. पुनम सिदार, गेजामुड़ा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि उनसे हमें काम मिला है हमारे घर में पैसे आते हैं और हमारे बाल बच्चे पढ़ रहे हैं और हमें मदद भी हो रही है। इसलिये मैं जिंदल समर्थन का समर्थन करती हूं।
8. जय कुमारी, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। जिंदल हर सुख–दुख में साथ देते हैं और नौकरी भी देते है हमारे बच्चों को।
9. गंगोत्री यादव, कोसमपाली – हम बेरोजगार थे हमें जिंदल ने रोजगार दिया। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।
10. ललीता डनसेना – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
11. राधा यादव – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
12. सुनिता उरांव – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। जितने भी बेरोजगार है उनको रोजगार दे उनका भी समर्थन करें और आगे बढ़ने का मौका दे।
13. विद्या, कलमी – मेरा पति जिंदल का कर्मचारी है इसलिये मेरे बच्चों को पढ़ा पाई हूं। जिंदल ने हमारे गांव में दोना–पतरी का मशीन दिया, मोमबत्ती का ट्रेनिंग दिया । और हमें अभी मशरूम ट्रेनिंग दिया। आने

वाले समय में हमारे बच्चों का काम दे तो मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

14. चंदा, कलमी – मेरे बच्चे को नौकरी मिले मैं यही आशा करती हूँ।
15. भारती डनसेना, – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
16. सविता, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
17. माया चौहान, कोसमपाली – मैं प्लांट में काम करती हूँ। और लड़के को भी नौकरी मिले
18. पुष्पा सिदार, कलमी – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
19. बुलकुवर सिदार, कलमी – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
20. गुरबारी – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
21. सीता बेहरा, खैरपुर – जिंदल कंपनी उन्नती करें, जिंदल आगे बढ़ेगा तो हमारे बच्चों का सहयोग मिलेगा हमारा सुख दुख में साथ देता हो चाहे आजीविका हो या पानी या स्वास्थय की सुविधा हो वो हमे सहयोग करता है इसलिये मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
22. संतोषी महंत – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
23. सेवती – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
24. भारती गुप्ता, खैरपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
25. बेबी ठाकुर, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। जिंदल ने आने के बाद आस पास के 10 गोद लिये हुये गांवो में बहुत सारे विकास किये है, ये मैं जान रहीं हूं। यहा कोई अच्छा स्कूल नहीं था लेकिन अब है वहां हमारे आस पास के गांव के बच्चे जाकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्वास्थ्य के लिये भी जिंदल कार्य कर रहा हैं कोई गरीब या आस पास कोई बीमार पढ़ रहा है तो उसका मुफ्त में ईलाज हो रहा है। जिंदल के आने से विकास हुआ है और प्लांट का विकास होगा तो हमारे गांव का भी विकास होगा। आस पास के गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा होगी। जिंदल के आने से आस पास के हमारे 10 गोदनाम गांवों के नवयुवको को रोजगार मिला है। जहां तक महिला समूह की बात है कोसमपाली, किरोड़ीमल नगर, उच्चभिट्ठी एवं अन्य आस पास के गांव में विकास हुआ है। हमारे किरोड़ीमल में सीएसआर मद से विकास हुआ है। सराईपाली गांव में जिंदल के सीएसआर से महिलाओं को कम्प्युटर सिखाया जा रहा था। नर्सिंग, ब्युटी पार्ल का एवं अन्य कोर्स की सुविधा है। पानी एवं अन्य सुविधा मिला है। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं। प्लांट का विकास होगा तो गावों का विकास किया है। इसलिये मैं जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।
26. निर्मला पटेल, सराईपाली – जिंदल प्लांट लगने से रोजगार मिलेगा। आस पास के गांव का विकास हो। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

27. अमृता पटेल, सराईपाली – यहा डस्ट बहुत ज्यादा है कुछ मांग है उसको पुरा करेंगे तो हम समर्थन करेंगे। बहुत बेरोजगारीं है हमारे वार्ड में पहले का कुछ काम भी अधूरा पड़ा हैं। हमारी मांग लिखित में देंगें अगर वो पूरा हो जाता है तो हम लोग का पूरा समर्थन रहेगा।

28. सरस्वती चौहान, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हम यहां जी रहे हैं और खा रहें हैं हमारा पति कंपनी में काम करता है। जैसे जिंदल आगे बढ़ रहा हैं हम भी चाह रहे हैं हमारे बच्चे भी आगे बढ़े ।हम जिंदल में कार्य करके हमारे बच्चों को पढ़ायेंगे तो वो भी आगे बढ़ेंगे। जिंदल हमें भी आगे बढ़ने का मौका दे यहीं निवेदन के साथ जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

29. सरिता चौहान – पहले हमारा जो शर्त है उनको पुरा करें हमारा तीन शर्त हैं तभी हम समर्थन करेंगे, पहला रोजगार, दुसरा दोनो प्लांट के बीच में हम पिस रहे हैं कोसमपाली ग्राम को कहीं अन्य व्यवस्थित करके दे और तीसरा सड़क एवं साफ सफाई।

30. फुलबाई चौहान – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

31. रूपेन्द्र साहू, खैरपुर – एक समय था आज से 15–20 साल पहले मेरे पिताजी और मैं जिंदल के ड्राईवर लोगो को चाय पिला कर कमाई करके अपने परिवार का पालन पोषण करते थे खेती बहुत कम था पानी कभी गिरता था और कभी नही तो फसल भी कभी होता था और कभी नहीं। दो वक्त का रोटी मुश्किल होता था भगवान की दया से जिंदल प्लांट खुला और हमें रोजगार मिला और बहुत सारे रोजगार का साधन मिला। छः महीने का ट्रेनिंग देके कलाकारी का गुण सिखाया जिसके सहारे हम दो वक्त का रोटी कमा पा रहें हैं। आज गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का बहुत तरक्की हुआ है। विज्ञान वरदान है तो अभिशाप भी थोड़ सहना पड़ेगा जब तक कंपनी नहीं खुलेगा उसका विस्तार नहीं होगा तो हमारे बच्चों को रोजगार कैसे मिलेगा। रोजगार के लिये विस्तार आवश्यक हैं हमें साथ मिलकर चलना है तभी हम तरक्की कर पायेंगे। हम इसको समर्थन देंगे तब हमें और हमारे बच्चों को रोजगार मिल पायेगा। और हम विकास कर पायेंगे इसलिये मेरे और गांव वालों के तरफ से मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

32. सरोबाई, कोसमपाली – डस्ट की समस्या बहुत ज्यादा है वो कम हो। बेरोजगारों को रोजगार मिले और स्वास्थ्य संबंधी समस्या का समाधान हो। कोसमपाली में डस्ट ज्यादा हैं उसकी समस्या कम हो।

33. लक्ष्मीकांत तिवारी, धनागर – हमरे यहा जिंदल का कोई विकास नहीं है, धनागर में बेरोजगार के भरमार है। धनागर में झुठ बोल कर कार्य किया जाता है और जमीन को लेकर बेरोजगार कर दिया जाता है। पी.डब्ल्यू.डी. का सड़क भी खराब स्थिति में जिसे शासन नहीं देख रहा है। हमारा शोषण कर रहे हैं और प्रदूषण कर रहे है। कोसमपाली का पानी भी खराब है फिर भी समर्थन दे रहे हैं। मैं इसका पूरा विरोध करता हूँ।

34. शेषचरण डनसेना, कोसमपाली – हमें प्लांट का विरोध नहीं है। गांव बेरोजगार को रोजगार मिलना चाहिये एवं अन्य सुविधा भी हमारे गांव को मिलना चाहिये मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

35. गुरूलाल चौहान, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। आज से 25 साल पहले किसी भी गांव में किसी के पास अच्छे से खाने का साधन नहीं था लेकिन आज प्लांट विस्तार होगा जिनके पास सायकल था आज उनके पास कार है। जिनके पास मकान नहीं था अब मकान है। इसलिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

36. नंद किशोर चन्द्रा, किरोड़ीमलनगर– जिंदल ने जब से किरोड़ीमल में प्लांट लगाया है तब से लोागों का विकास हुआ है। स्वास्थ और शिक्षा के प्रति जागरूक है जिंदल जहां स्वास्थ्य संबंधी बात है वहां कैम्प लगाते हैं शिक्षा जरूरत जहां है वहां लोगों को पढ़ाते हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चों को कम्प्युटर सिखाया जा रहा है। जिंदल ने हॉस्पिटल खोल के लोगों की सेवा की है। 100 कि.मी. दूर से लोग आकर ईलाज करावाकर लाभ ले रहे है। जिंदल का विस्तार होगा तो लोगों को रोजगार मिलेगा। इसलिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

37. नवधा कुमार पटेल – कंपनी के आने से सभी को फायदा है। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

38. अविनाश– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। जिंदल के आने से रोजगार एवं मेडिकल की सुविधाऐं बढ़ी। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

39. नटवर खुंट, किरोड़ीमलनगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

40. कमलेश यादव, किरोड़ीमलनगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

41. वरूण कुमार डनसेना – जिंदल द्वारा हमारा जमीन लिया था और अभी भ्रमित किया जा रहा है नौकरी दूंगा करके पहली बार गया था तब पढ़ा नहीं है करके नौकरी नहीं दिया गया। और पढ़ लिख के गया तो जगह नहीं है बोल रहे हैं। नौकरी देगा तो समर्थन दूंगा।

42. जगपति प्रसाद, पतरापाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

43. अर्जुन वैष्णव, गेजामुड़ा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

44. प्रहलाद, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन भी है और विरोध भी है। हमारे यहां रहने, खाने और पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके लिये जिंदल या प्रशासन कुछ करें।

45. कपेश्वर चौहान, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

46. पवन कुमार पटेल, मुरा – जिंदल के चलते पूरा क्षेत्र में बहुत ज्यादा प्रदूषण है, यहां के लोकल व्यक्ति को रोजगार भी नहीं मिलता है बाहर के लोगों को नौकरी दिया जाता है। और जब छत्तीसगढ़ में कोरोना फैला

था तो सबसे ज्यादा रायगढ़ जिले में फैला था जिसका जिम्मेदार जिंदल फैक्ट्री है जो बाहर से आदमी लाया था। मैं जिंदल कंपनी का विरोध करता हूँ। जय हिन्द।

47. खगेश कुमार यादव, धनागर– जनसुनवाई एक छलावा है 2008 में जनसुनवाई हुआ था जिसमें कहा गया था क्षेत्र के लागों को रोजगार दिया जायेगा, विकास और स्वास्थ्य सुविधा दी जायेगी। मगर आज तक रोजगार और न हर स्वास्थ्य सेवा मिला है। यहां तक की जिंदल की आस पास की फसल पूर्ण रूप से नुकसान मे है। यहां अनावश्यक डस्ट डम्प किया जा रहा है जिसके वजह से हमारे धान का उत्पादन शून्य पर पहुंच गया है। इस प्लांट को यहां लगने ही न दिया जाये मैं इसका पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ।

48. गजेन्द्र नायक – मैं विरोध करता हूँ यहा जगह जगह डस्ट डम्पिंग किया जा रहा है जिसके वजह से दुर्घटना भी हो रहा है। डस्ट से स्लिप होकर गाड़ियों का एक्सीडेंट हो रहा है। डस्ट के वजह से उपज भी कम हो रहा है। मैं जिंदल कंपनी का विरोध करता हूँ। धन्यवाद।

49. रामलाल पटेल, पतरापाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। विकास के लिये जिंदल का बढ़ना बहुत जरूरी है।

50. धनेन्द्र कुमार– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

51. प्रेमलाल चौहान, सराईपाली – कोल माईन एवं जिंदल में नौकरी किया। अभी तक मेरा नहीं हुआ है। मुझे नौकरी मिले सीमेंट प्लांट में मेरा जमीन जा रहा है। मै जमीन का दाम रोकवा दिया हूं मुझे नौकरी मिले। आपको बायोडेटा दे रहा हूं। हेमंत के पास इंटरव्यु देकर आया हूं। मैं जिंदल का समर्थन करता हूँ।

52. योगेश सिंह– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

53. उमेश चौहान, किरोड़ीमल नगर – यहां विरोध भी हो रहा है और समर्थन भी हो रहा है। हमें विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिये जिंदल का समर्थन करना होगा। लेकिन कुछ वादों के साथ ऐसा नहीं कि जिंदल कुछ भी वादा करें और हम हां कर दें। अगर कंपनी का विस्तार होता है स्थानीय लोगो को रोजगार मिलेगा क्षमता के अनुसार। जिंदल से अनुरोध है जब उनके यहां वेकेंसी निकलती है तो ग्रामवासियों को सूचना दे दी जाये और उनको प्राथमिकता दी जाये कि उनको रोजगार में लिया जाये। नही तो हो सकता है कि कल संगठन बनकर इसका विरोध हो। हमारी समस्या को समझे और स्थानीय लोगो को रोजगार दें। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

54. भुपेन्द्र पटेल, गेजामुड़ा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है और मुझे रोजगार चाहिये।

55. सुमित चौहान – स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना चाहिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

56. कृष्ण कुमार चंद्रा, किरोड़ीमलनगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

57. काला चंद्र चंद्रा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

58. अंजू खलखो – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि सभी का विकास हुआ है रोजगार के अवसर आ रहे हैं। हमारे जिंदगी के बारे में सोचते हुये प्रदूषण के ऊपर ध्यान दिया जाये। चिमनी से निकलने वाले धुंआ के बारे में कुछ सोचा जाये। मैं जिंदल का समर्थन करती हूं।
59. गणेशमति साहू, भगवानपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
60. छिनबाई साहू, भगवानपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
61. देवकी चौहान, कोसमपाली – कंपनी के तरफ से कोई नौकरी मिला, नौकरी मिलेगा तो समर्थन है।
62. संतोषी महंत – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
63. मीना– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
64. मनीषा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
65. फूलामती– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
66. निर्मला – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
67. सोनमती, भगवानपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
68. पुष्पा, भगवानपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
69. तिलक राम चौहान – जिंदल मेरे बेटे को नौकरी नहीं दे रहा है, मैने अपने बेटे का पढ़ाया लिखाया फिर भी नौकरी नहीं दे रहा है। जमीन गया है तब भी नौकरी नहीं दे रहे है।
70. गुलाब चंद चौहान, सराईपाली – जमीन दिये है फिर भी कोई सुनवाई नहीं हो रहा है। दूसरे को भर्ती करेंगे तो कैसे चलेगा। मंत्री को भी बोला लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रहा है। गोदनामा लिये हैं हमारे जमीन लिये है और दूसरों को भर्ती कर रहें है तो हम कैसे जियेंगे? गोदनाम लिये हैं बोलते हैं जिंदल पर किसी कोई मतलब ही नहीं है। जिंदल को जमीन को दिये हैं फिर भी कोई सुनवाई नहीं है। हमारा जमीन लेके बाहर के आदमी को भर्ती कर रहे हैं तो हम लोग कहां जायेंगें। भारत माता की जय।
71. टेकराम साहू, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
72. दीपक कुमार वर्मा, किरोड़ीमलनगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। स्थानीय लोगो को प्राथमिकता दिया जाये जो भी वेंकेसी निकलती है उसमें बाद में बाहर के लागों को दिया जाये।
73. नवीन साहू – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
74. नारायण प्रसाद, किरोड़ीमल नगर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
75. ललित शर्मा किरोड़ीमल नगर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि काफी सारे विकास कार्य जिंदल द्वारा कराये जाते हैं जो शासन के द्वारा फंड की कमी होने के वजह से नहीं किया जाता है। प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय लोगों का रोजगार दें। धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

76. संतोष चंद्रा, किरोड़ीमल नगर – मैं कंपनी ठेके के अंदर में काम करता हूँ मुझे रेगुलर किया जाये। मैं जिंदल का समर्थन करता हूं।

77. सुमति निषाद, कोसमपाली – कंपनी में हमारी जमीन गयी थी उसके बदले में हमें नौकरी देने का वादा किया गया था। 15 हजार सैलरी देने की बात कही गयी थी लेकिन 09 हजार दिया जा रहा है। विरोध है।

78. रोशनी चंद्रा, किरोड़मल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

79. दिप्ती चंद्रा, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

80. सविता राठौर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

81. निर्मलादेवी कर्ष – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

82. लक्ष्मीन चंद्रा, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

83. सुनिता चंद्रा, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

84. सरला, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

85. उमा निषाद– मेरा जमीन अटका है। 1000 पेंशन दिया जा रहा है जबकि 3000 पेंशन की बात हुई थी। मेरे बेटे का नौकरी चाहिये। मेरे पति की मृत्यु के बाद मै अपने बच्चे को पढ़ा नहीं पायी और अब मेरा परिवार काफी समस्या में है। आप मेरे समस्या का समाधान करें।

86. सरस्वती – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

87. गीता चंद्रा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

88. सरिता – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

89. सरिता टंडन, कि – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

90. मीना चौहान – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। मेरे बच्चे को नौकरी मिल जाये।

91. चंदा देवी, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

92. बसंती, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

93. किशोरी, किरोड़मल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

94. प्रमिला कश्यप– मेरे पति 20–25 साल नौकरी किये हैं उसके बाद निकाल दिये हैं उसके बदल में मेरे बेटे को नौकरी दिया जाये।

95. सीता चौहान, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

96. गीता चौहान, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

97. बेबी मिश्रा, किरोड़ीमल नगर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

98. आशा सिंह, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

99. माया तिवारी, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

100. निर्मल महंत, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

101. गोविंद, पतरापाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

102. रतन कुमार चौहान, धनागर– मैं हाउस कीपिंग का कार्य करता था। मेरा जमीन झुठे से ले लिया गया नौकरी दूंगा करके। जमीन लेकर मुझे नौकरी से वंछित कर दिया गया है। ग्राम धनागर के जितने भी युवा हैं उनको नौकरी दिया जाये। जय हिन्द, जय भारत।

103. शंकर चौहान, कोसमपाली – स्थानीय लोगों के रोजगार हेतु मैं जिंदल का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

104. सनातन दास महंत, कोसमपाली – जब से जिंदल सीमेंट प्लांट बना है तब से 10 साल हो गये मैं काम कर रहा हूं। मेरे बच्चे का पैर ठीक नहीं था मैं नौकरी में नहीं जा पाया तो मुझे नौकरी से निकाल दिया गया। मुझे वापस नौकरी दिया जाये। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

105. उसतराम – मुझे पर्ची में पावती चाहिये योग्यता अनुसार कंपनी में युवाओं को नौकरी चाहिये। धन्यवाद।

106. मोहम्मद किरोड़ीमल नगर– स्थानीय लोगो को योग्यतानुसार कंपनी में नौकरी दें।

107. सुरेश चंद्रा, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

108. डगेश कुमार, किरोड़ीमल नगर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

109. वेदप्रकाश यादव, रायगढ़ – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

110. छोटेलाल साहू, कछार– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

111. देव पटेल, धनागर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड विरोध करता हूँ।

112. जुगल किशोर, रायगढ़ – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

113. सुशील, कोसमपाली – रोजगार की सुविधा मिलता है मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

114. प्रशांत, धनागर – न मुझे नौकरी चाहिये न कुछ चाहिये मैं यहां सभी जनता के हित में बात करता हूं। यहां इतने ट्रक चलेंगे कि जिससे लोग मरेंगे, यहा आये दिन मृत्यु होती जा रही है और पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है जिससे सांस लेना मुश्किल हो जायेगा। यहां पर बीपी, सुगर एवं अन्य बीमारियां आ रही है। जल स्तर नीचे चला जायेगा जिससे हमें जल मिलना मुश्किल होगा। 20 रूपये बॉटल का पानी पियेंगे तो हमारा क्या विकास होगा। दिल्ली में कितना प्रदूषण है और वहां पानी खरीद कर पी रहे हैं वहां कुछ विकास नहीं हुआ है। वहां के स्कूल कचड़े खदान में है। वहां के बच्चे कचड़े खदन में पढ़ते हैं। यहां भी विकास नहीं होगा बस नुकसान होगा। जिंदल प्रबंधन हाय हाय। नवीन जिंदल मुर्दाबाद।

115. ललिता नायक – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

116. करबाई महंत, खैरपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हम जो मांग करेंगे उसको पुरा करें।
117. अनुसुईया भट्ट, कोसमपाली– बहुत दुख तकलीफ से 04 साल से सुझ रही हूं। जिंदल के पास नौकरी के लिये जा जाके चप्पल घिस गये। मैं जिंदल का विरोध करती हूं।
118. उमा वैष्णव, जोरापाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
119. सविता भट्ट, कोसमपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।
120. सरिता महंत, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
121. अनिता पटेल, औराभांठा– प्रदूषण के देखते हुये रायगढ़ एक नंबर पर है। हमें प्रदूषण में नहीं स्वच्छता में रायगढ़ में प्रथम नंबर पर लाना है। तो मै जिंदल का विरोध करती हूं।
122. कमला पटेल, तारापुर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
123. संतोषी, रायगढ़– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
124. उषा यादव, तारापुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
125. सरस्वती – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
126. सुशीला, तारापुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
127. ईशा यादव, तारापुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
128. ममता सारथी, लोईंग – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
129. बैजंती चौहान, लाईंग – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
130. अनिता चौहान, कुसमुरा – – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
131. पदमा सिदार, पाली – – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
132. संतोषी भट्ट, गेरवानी – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
133. राधा निषाद, लोईंग– – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
134. वंदना निषाद, गेजामुड़ा – – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
135. मीना बाई सिदार – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
136. सावित्री निषाद – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
137. कल्पना निषाद, गेजामुड़ा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
138. सत्यभामा साहू, कोतरलिया– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
139. मैथिली साह, लोईंग– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
140. राजकुमारी पटेल, गेजामुडा– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
141. सरिता सिदार, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
142. सात्यकी, कोसमपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

143. रसिन बाई चौहान, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
144. आशा साव, कुरमापाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
145. प्रेमसीला साव, कुरमापाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
146. रामलीला, गेजामुड़ा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
147. दशमथ सिदार– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
148. प्राची, लोईंग– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
149. सुशीला चौहान, लोईंग– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
150. तेजस्वीनी साहू, लोईंग– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
151. भोजकुमारी निषाद, तारापुर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
152. ललिता पटेल, ननसिया – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
153. सुलोचना मालाकार, चक्रधरपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
154. शीतल – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
155. मीरा प्रधान, लोईंग – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
156. ममता निषाद, जोरापाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
157. गुलापी पटेल, अड़भार– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
158. शिवरात्री चौहान – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
159. पुष्पांजली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
160. मंदाकनी सिदार– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
161. तारा यादव, चुनचुना – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
162. यस्वनी भट्ट, कोसमपाली– मुझे प्लांट में नौकरी चाहिये।
163. कविता साहू, पण्डरीपानी– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
164. सरीता – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
165. यशोदा राठिया, पण्डरीपानी – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
166. फुलमती, पण्डरीपानी– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
167. रहसबाई – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
168. लीलाधर पटेल–छत्तीसगढ़ में नरवा घुरवा बाड़ी चलत हे। सारी कंपनी डस्ट फैला रही है। मैं जिंदल का पूर्ण रूप से विरोध कर रहा हूं।
169. प्रमोद पटेल, धनागर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
170. प्रदीप साहू, किरोड़ीमलनगर– अपने क्षेत्र के विकास के लिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

171. दिलीप ठाकुर, किरोड़ीमलनगर– अपने क्षेत्र के विकास के लिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं। इसने आस पास में विकास की गंगा बहाई है।

172. पंचराम, बघनपुर– मेरे को बोला गया था सहयोग राशि 50000 रूपये देंगे लेकिन मुझे घुमा दिया गया। मैं समर्थन नहीं करूंगा।

173. गजेन्द्र यादव– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करता हूं। स्थानीय लोगों को रोजगार देने का मामला हो या स्थानीय लोगों को छलने का मामला को मैं सब मामले पर जिंदल का विरोध करता हूं।

174. हरिशंकर चौधरी– जिंदल ने सिर्फ रायगढ़ को लुटा है। स्थानीय लोगों का रोजगार भी नहीं दिया है। इसलिये मैं जिंदल का पुरजोर विरोध करता हूं।

175. बिहारीराम साहू किरोड़ीमलनगर– जिंदल ने मेरा जमीन ले लिया मेरा सब कुछ ले लिया। मैं जिंदल का विरोध करता हूं।

176. लक्ष्मीनारायण पटेल– रेगुलर करेंगे बोलकर आज तक रेगुलर नहीं कर रहे हैं। विरोध करता हूं।

177. सचिन गुप्ता, रायगढ़–मैं पूछना चाहूंगा कि आज प्रदूषण का हालत क्या है चाहे रायगढ़ से ढिमरापुर, तराईमाल चाहे भगवानपुर आना हो। कंपनी का फायदा हो रहा है तो सड़क भी बनना चाहिये। डस्ट के समस्या से भी हमें निजात चाहिये। अगर बात करें रोजगार की इतनी सारी कंपनियां हैं रायगढ़ जिले में 150 प्लस उद्योग हैं मैं उद्योग और शासन से पूछना चाहूंगा कि क्या आपने युवाओं के लिये कोई ट्रेनिग सेंटर का प्रोवाइड किया तो उनका नाम मुझे बतायें और सुची दें कितने युवा वहां भाग लिये और ये सब नहीं हुआ है तो हम यह मानेंगे कि उद्योग का विकास हो रहा है लेकिन युवाओं का नहीं और युवाओं का विकास नहीं होगा तो हम आने वाले 10 साल में रायगढ़ को कहां पर देखेंगे साथ ही साथ जिंदल अपने सीएसआर मद से बहुत से स्कूल का संचालन कर रहा है तो उसका हम समर्थन करते हैं परंतु सोचने वाली बात यह है कि उन्होने कितना फीस तय किया गया है क्या जिंदल में काम करने वाला एक मीडिल क्लास वर्कर अपने तीन बच्चों को स्कूल में पढ़ा सकता है? नहीं पढ़ा सकता क्योंकि फीस ज्यादा हैं हम चाहते है कि आप सीएसआर मद से फ्री स्कूल का संचालन करें जिससे हमारे क्षेत्र के युवा और बच्चे लाभन्वित हों। समाचार में हम पढ़ते है कि रायगढ़ सबसे ज्यादा प्रदूषित हो रहो है। अपर कलेक्टर मैडम क्या प्रदूषण की स्थिति नियंत्रण में आयेगी और आयेगी तो कब आयेगी क्योंकि हम यह मान रहे है कि हम रायगढ़ में रहकर हमारे जीवन का पांच साल कम कर रहें हैं। उद्योग से लगे गांव में पानी की व्यवस्था नहीं है मै उदाहरण लूं तो मेरे चाचा या मेरे दीदी की बेटी चलना सीख रही है तो वो खेल रही है तो डस्ट उड़कर घर आ रहा है और उसके हाथ से उसके मुख में जा रहा है तो इसका जिम्मेदार कौन है। उद्योग स्थापना से कई एकड़ भूमि जा रही है तो उतने सारे किसानों के लिये आप क्या योजना ला रहे हैं। हम सब जान रहे कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता था पर आज किसान का क्या स्थिति है? यदि

कोई किसान हिम्मत करके किसी कंपनी के किनारे खेती कर रहा है तो फसल या फल में डस्ट जम जा रहा है और उसको लेके बेचने पटेलपाली जाये तो यहां के किसान को 20 रूपये का भाव देगा और पुसौर से आये किसान को 30 रूपये का भाव देगा। महिला सशक्तिकरण ट्रेनिंग नहीं है हमारे पास। जिंदल एवं अन्य उद्योग सूची बनाकर दें कि रायगढ़ जिंले से कितने लोगों को रोजगार मिला है। मैं यह मानता हूं कि 18 प्रतिशत का आंकड़ा भी नही छू पायेंगे। युवा दरबदर ठोकर खा रहे हैं। अभी एक बाबा आये थे कि मेरा जमीन चला गया नौकरी नहीं मिला। इतने उद्योग के बाद भी बाबा दरबदर क्यो भटक रहे हैं? एक दाई कह रही थी मेरा जमीन गया है नौकरी नहीं दे रहे मेरे बेटे को तो इसका जवाब कौन देगा? युवाओं के लिये ट्रेनिंग कब प्रोवाईड होगा। युवा उस ट्रेनिंग सेंटर से नौकरी करें या आपकी तरह पद पर हो तब तो हम मानेंगे कि उद्योग का विकास सार्थक है वरना हम यहीं मानेंगे कि यह सर्वनाश है। जय छत्तीसगढ़।

178. राजमती– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

179. सरिता चौहान, लामीदरहा–जिंदल का विरोध करती हूं।

180. सविता उरांव, लामीदरहा– जिंदल का विरोध करती हूं।

181. शकुंतला– जिंदल का विरोध करती हूं।

182. अनुपमा निषाद – जिंदल का विरोध करती हूं।

183. रेवती पटेल, केराझर– मैं वहां काम करती थी। जबरजस्ती रिजाईन दिलाये है मुझे 03 महीने में फिर काम में रखेंगे बोलकर आज 03 साल हो गया नौकरी में नहीं रख रहें हैं। मुझे बेवकुफ बनाया जा रहा है। जल्द से जल्द मुझे ज्वाईन करवाया जाये।

184. ज्योति जोशी– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

185. शारदा निषाद, कोसमपाली– मेरे परिवार में सिर्फ मेरे पापा है वो बुजुर्ग हैं और बीमार रहते हैं मुझे नौकरी दी जाये।

186. पूर्णिमा महंत, कोसमपाली–हमारे पास रोजगार नहीं है। हम लोग पढ़ाई भी नहीं कर पाये हैं। मुझे नौकरी दें।

187. बैजंती यादव किरोड़ीमल– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

188. गोमती निषाद, कोसमपाली– मुझे नौकरी चाहिये क्योकि मैं पढ़ी लिखी हूं।

189. कुंती निषाद, कोसमपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध है।

190. ममता देवी– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

191. दमयंती, किरोड़ीमलनगर – हमारी मांग पूरी होगी तो मैं समर्थन में हूं।

192. कांता देवी बघेल, किरोड़ीमलनगर – हमारी लिखित मांग को पूरा किया जाये। हम नवीन जिंदल के साथ क्योंकि वों हमारा घर चला रहे हैं। हमारे पति 10–12 साल से वहां ड्युटी कर रहे हैं। कार्य के अनुसार वेतन को बढ़ाया जाये हमारा रेगुलर किया जाये हम उनके साथ हैं लेकिन हमे भी वो सपोर्ट करें।

193. रजनी बघेल– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

194. सोनू महंत– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

195. सरिता चौहान, कोसमपाली– मेरे ससुर का जमीन गया है। मेरे पति 03 साल कंपनी मे काम किये हैं फिर उन्हें निकाल दिया गया है। मेरे चार बच्चे है मैं क्या करू? मैं 04 साल से जिंदल मे नौकरी के लिये जा रही हूं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही हैं। मेरे पति को काम चाहिये मुझे प्लांट से कोई शिकायत नहीं है।

196. मधु पटेल– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

197. ज्योति राठिया– मेरे पति को परमानेंट नौकरी मिले कंपनी में जब मेरा मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड को समर्थन है।

198. कुंती उरांव– जिंदल कंपनी में काम करते करते मैने अपनी बेटी का शादी किया है बिना मेहनत के किसी को नौकरी नहीं मिलता नवीनी जिंदल जिन्दाबाद।

199. सती चौहान, कोसमपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

200. श्यामाबाई चौहान, कोसमपाली– यहां बहुत धूल डस्ट हो रहा है इसे गांव को अच्छे से रखें मै मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

201. कुसुम बाई साहू– साफ सफाई चाहिये, नाली का व्यवस्था चाहिये, काला धूल का आ रहा है इन सब का निवारण करें मै मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

202. राजेश त्रिपाठी, रायगढ़– सर आज की जनसुनवाई का जो आयोजन करावाया जा रहा है 14 सितंबर 2006 केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना के मापदण्डों के अनुसार हो रहा है। अगर हम 14 सितंबर 2006 के अधिसूचना का अवलोकन करें तो उसमे लिखा है किसी भी कंपनी के आवेदन के 45 दिनों के अंदर राज्य सरकार जनसुनवाई का आयोजन करवायेगी और आवेदन के 45 दिवस के अंदर जनसुनवाई का आयोजन नहीं हो पाता तो उन परिस्थिति में केन्द्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एक समिति का गठन करेगा और वो समिति जनसुनवाई का आयोजन करवाये। जहां तक मेरा अंदाजा है इस परियोजना का आवेदन वो लगभग डेढ़ से दो साल पहले किया गया है और उस तरीके से देखा जाये तो यह जनसुनवाई का आयोजन केन्द्रीय वन पर्यावरण मंत्रालय 14 सितंबर 2006 के अधिसूचना के अनुसार अयोग्य है। माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय काफी लोगों ने बोला कि उद्योगों के आने से रायगढ़ जिले का विकास हुआ है। आज की जनसुनवाई में 95 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं और यहां रोजी रोटी की मांग कर रहे हैं रायगढ़ के रोजगार पंजीयन को देखे तो 1 लाख 20 हजार युवा युवतियां रायगढ़ में बेरोजगार हैं। और उनको स्थानीय उद्योगों में रोजगार नहीं मिल रहा है और दूसरी बात जिस प्रकार उद्योग के साथ रायगढ़ जिले में बीमारिया आई है जैसे टीबी, दमा, कैंसर सिलकोसिस है। उस हिसाब से देखे तो रायगढ़ जिले में स्वास्थ्य का विकास आज भी नहीं हुआ है। अब बात करें कि ईआई के और रायगढ़ जनसंपर्क

विभाग ने जो ये किताब निकाला है इस किताब के अनुसार देखा जाये तो आप ईआईए में अवलोकन करें जिसे जगह ये परियोजना स्थापित होने वाली है इसके 10 कि.मी के अंदर सिंघनपुर गुफा, रामझरना, बिलासपुर डैम, केलो बांध और रायगढ़ जिले के 48 वार्ड लगभग आते हैं वर्तमान में रायगढ़ शहर की आबादी साढ़े 06 लाख है कही न कहीं प्रदूषण से प्रभावित हो रही है। कुछ दिन पहले एनजीटी की जो टीम आई थी उन्होने कहा था जब तक रायगढ़ जिले का पर्यावरणीय अध्ययन नहीं हो जाता तब तक नये उद्योग की स्थापना और पुराने उद्योग की विस्तार की अनुमति नहीं दी जाती तो यह एनजीटी के आदेशों का उल्लंघन हो रहा है। ईआईए के अध्यन पर हमने पाया जो ईआईए बानाने वाली जो कंपनी है उसने प्रभावित क्षेत्र के लोगों के बीच कभी जमीनी स्तर पर जाकर कोई अध्ययन नहीं किया। इस 10 कि.मी. के अंदर 100 से ज्यादा हायर सेकेण्ड्री स्कूल, 150 से ज्यादा प्राईमरी और मीडिल स्कूल और लगभग 250 से ज्यादा आंगनबाड़ी स्कूलें हैं। और इसमें लगभग डेढ़ लाख से दो लाख बच्चे के स्वास्थ्य प्रभावित होंगे पर ईआईए रिपोर्ट बनाने वाली एजेंसी पूर्ण रूप से चुप है। मैडम मैं कहना चाहूंगा कि जो जनसुनवाई कि जो प्रक्रिया है वो समर्थन विरोध का प्रक्रिया नहीं है यह प्रक्रिया है जो ईआईए रिपोर्ट बनाने वाली एजेंसी है जो डाट लिखकर उन्होने ईआईए बनाई है उसको पबलिक डोमेंन में ले के जाना पबलिक के बीच ले के जाना और उनसे पूछना ये जो ईआईए बना है कितना सत्य है और कुछ छुट गया है कोई चीज गलत जोड़ी गई है उसको फाईनल करने के बाद केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय विचार करेगा। जनसुवाई के इस प्रक्रिया को देखें तो 40 गांव जो 10 कि.मी के रेडियस के अंदर आ रहे है वहां ये ईआईए गई है? नंबर 2 रायगढ़ में 48 वार्ड है क्या वार्ड मेमबर के पास ये ईआईए गई है कि लोगों को जानकारी हो। रायगढ़ के अंदर देखे तो जिस तरह टीबी, दमा, स्नोफिडिया फैल रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण है हमारे वरिष्ठ एसडीएम साहब जिस बंगले में वो रहते है सुबह ड्युटी जाते होंगे और शाम को आते होंगे तो आपके फर्स के उपर एक डस्ट की काली परत जमीं होती है। घर के उपर कपड़े सुखाते है तो उसके उपर भी डस्ट की काली परत जम जाती है तो प्रदूषण का ये हालत है। अगर हमारे घर और कपड़े का ये हालत है तो हमारे घर के छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर क्या असर होगा? और हम लोग क्या अपने बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति कितने वफादार है? रायगढ़ जिले में जो प्रदूषण की स्थिति है छत्तीसगढ़ की जो चार प्रदूषित नदी है उसमें केलो नदी में शामिल है। वहां पानी की मात्रा देंखे तो लगभग 2001 में एक जलीय अध्ययन केलो नदी पर किया गया था। जिसमें लगभग 26 मछलीयों के प्रजातियां खत्म हो गई है। रायगढ़ जिले के अंदर यदि देखे जिस प्रकार से उद्योगों के विस्तारीकरण से जो दुर्घटनाऐं हो रही है और रायगढ़ जिले में 73 एक्सीडेंटल मौत पर मन्थ के हिसाब से हो रही है। हमारे रायगढ़ जिले के अंदर तो इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है और हम उद्योगों का विस्तार करेंगे तो हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी। जिसके लिये सड़क और माल ढोने के लिये संसाधन चाहिये और ये सब संसाधन हमारे जिले में उपलब्ध नही हैं। 10 कि.मी. रेडियस के अंदर आंगनबाड़ी, प्राईमरी स्कूल, मीडिल स्कूल और ग्रामीण लोगों के स्वास्थ्य का

परीक्षण व्यापक मैपाने पर जरूरत है, क्योंकि अगर सागर धारा की सरैया फांउडेशन के अध्ययन को देखे तो रायगढ़ जिले में लगभग 8–10 प्रतिशत लोगों को कैंसर जैसे गंभीर बीमारी है। रायगढ़ के अंदर टीबी और स्नोफिलिया की बीमारी फैल रही है इनका अध्ययन करते हुये राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन को कंपनी के सीमेंट प्लांट के विस्तार पर विचार किया जाना चाहिये और जब तक रायगढ़ जिले के अंदर पर्यावरणीय अध्ययन नहीं हो जाता है तो रायगढ़ शहर के साढ़े 06 लाख एवं आस पास के लोगों जो 50 से 60 हजार है उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। विकास के नाम पर जिन ग्रामीण का जमीन गया है जिनके बच्चों को रोजगार मिलना था, खेतो के लिये किसानों को पानी मिलना था वो आज किसानों के बदले कुछ लोगों को मिल रहा है जिससे रायगढ़ जिले के किसानों की खाद्य सुरक्षा खतरे में होगा। यही बात कहनी थी। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ ।

203. तरूण पटेल, सराईपाली– आज जो जनसुनवाई हो रही है पत्रकार महोदय ने सारगंर्भित बता दिया है। ये जो प्रभावित चार गांव है जो इन गांवों के दुख सुख है जब से जिंदल में यहां 1988 से प्लांट का विसतार किया गया है। तब से जो महत्वपूर्ण सुविधायें उन सुविधाओं में विस्तार नहीं हुआ हैं। जिंदल के आला अधिकारी यहां है उनको मैं याद दिला दूं कि जो प्रभावित गांव हैं ओ केवल धुल डस्ट खाने के लिये नहीं है । हमने इन्हे अपना गांव एवं घर दिया तो महोदय हमारे गांव में जो युवा बेरोजगार है इनकी आप सुध लीजिये । ये जो धुंआ निकलर रहा है इसे कम करें। युवा एवं बच्चे प्रभावित हो रहे है। जमीन प्लांट के अंदर थी जिसे विस्थापित किया गया है। आप स्वयं जाकर प्रदूषण देखे। जिंदल प्लांट के विस्तार कर रही है तो मैं स्वयं बेरोजगार हूं नौकरी के लिये आवेदन किया था बोले कि ईडी साहब से मिलो और उनसे मिलने के लिये 01 साल में भी नहीं मिल पाया। तो क्या मैं अपना जमीन, बाड़ी, खेत सबकुछ देकर के आज मैं खाली बैठा रहूं धुंआ पीने के लिये तो मैडम आपसे निवेदन है कि आप इन चारो गांवों को ध्यान में रखके कृपया इसको अच्छा से अच्छा बनायें अभी पत्रकार महोदय बता रहे थे कि केन्द्रीय समिति के मापदण्ड से नही हुआ है। हम जमीन दे रहे हैं फायदा दूसरे उठा रहे हैं। जमीन हमारा जा रहा है बिहार वाले नौकरी कर रहे है ये अन्याय मत कीजिये मैडम आपसे निवदेन है कि इसको आप लिखिये और गांव में जो भी मूलभूत सुविधाऐं हैं उसे प्रदान करें हम विरोध नहीं कर रहे जो प्लांट लगी है वो हटेगी नहीं सुविधाओं का विस्तार होना चाहिये। मेरे बच्चों पढ़ के निकल गये 25 पैसे भी फिस में कमी नहीं हुआ। जब जिंदल स्कूल हमारे जमीन पर बनी है तो कम से कम फीस को फ्री किया जाये। यदि नौकरी में 8 से 10 हजार देंगे और स्कूल में 06 हजार फीस लेंगे तो आदमी पढ़ायेंगे या जीयेंगे? हम धुंआ सहने के लिये तैयार है परन्तु हमें सुविधाओं का विस्तार चाहिये। आपके माध्यम से जिंदल के अधिकारियों से उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे चार गांव के युवा बेरोजगार उनको सर्वप्रथम प्राथमिकता दी जाये जिससे यहां धुंआ खाते हुये नौकरी तो करें। कोसमपाली, बरमुड़ा, धनागर, सराईपाली है यहां पर सुविधा का विस्तार करें। जय हिन्द जय भारत।

204. दीपेश्वर यादव– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

205. ललीता, सरडमाल– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

206. उत्तरा यादव, सरडमाल– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

207. रामेश्वरी साहू, सरडामाल– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

208. मनीषा साव, लामीदरहा– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

209. सविता रथ, रायगढ़ – आपके सामने कुछ आंकलन कर रही हूं जिससे आज इस जनसुनवाई को तत्काल निरस्त किया जाना चाहीये। आज की जनसुनवाई केन्द्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिसूचना 14 सितंबर 2006 के अनुसार आवेदन के 45 दिवस के भीतर जनसुनवाई का आयोजन किया जाना चाहिये। यह आवेदन डेढ़ साल पुरानी है इसलिये इसे स्वतः निरस्त मानी जायेगी। राज्य सरकार के द्वारा एक स्वतंत्र कमिटी का गठन करने के बाद ही यह जनसुनवाई होगी। हल्ला बंद करवा दीजिये महोदया आपन नयी हैं हम पुराने हैं जिंदल की छिछोरपंती इसी प्रकार होती है। मैं इस 45 दिवस के उपर होने वाले जनसुनवाई का विरोध करती हूं। सीमेंट में जो फ्लाई ऐश उपयोग होगा उसमें सिलिका, एल्युमिनियम, कैलिसियम के आक्साईड की मात्रा होगी जिससे 20 कि.मी. के रेडियस के अंतर्गत रायगढ़ क्षेत्र में स्वास्थ्य और फसल पर सबसे ज्यादा दूष्प्रभाव होगा। इससे कायले के फ्लाई ऐश से सीमेंट बनेगी अब मैं ईआईए पर आती हूं इसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन सबसे ज्यादा पड़ेगा आपने मुझे जो ईआईए दिया है हिन्दी वाला ये काफी कम है 5–7 पेज का है यह व्यापक रूप से कॉपी पेस्ट है पुराने ईआईए रिपोर्टों का नये अध्ययन कब किये किस हालात में किये गर्मी बारिश और ठण्डी के मौसम का अध्ययन कब किये किस गांव में सूचना है। कितने पंचायतों पर ईआईए बनाने के लिये आपने टीम भेजे हैं इसका जवाब दें किस आधार पर ये जनसुनवाई हो रही है। इस हिन्दी ईआईए समरी में मजाक बना दिया गया है। तो ये पानी लेंगे भूगर्भ जल से सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार भूगर्भ जल का उपयोग केवल पेयजल एवं कृषि के लिये उपयोग होगा न कि उद्योग, सीमेंट एवं कोल वॉशरी फैक्ट्री चलाने के लिये है। पीएचई डाटा को देखे 2010 का तो रायगढ़ क्षेत्र का भूजल जा चुका है। चूंकि सीमेंट प्लांट से भूगर्भ जल पर व्यापक रूप से दुष्प्रभाव पड़ेगा इसलिये जनसुनवाई निरस्त करके केन्द्रीय राज आयोग को आप कह दीजिये उद्योग विस्तार से हम अपना पानी खोयेंगे, हवा में तमाम बीमारी और फ्लाई ऐश की राख है अलग अलग आर्सेनिक चीजें हैं ये रसायनिक चीजें मैं आपको ईआईए में बता दूंगी। रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में दमा और श्वांस की बीमारी वायु प्रदूषण के कारण फैल रहा है। रायगढ़ में 165 उद्योगों, 10 कोयला खदान एवं सैकड़ो फ्लाई ऐश डाईक के कारण यहां जीना मुश्किल हो गया है। इस प्रदूषण की स्थिति और अन्य उद्योग को जनसुनवाई की अनुमति मिलने का हम विरोध करते हैं। ईआईए मानवीय अधिकार के खिलाफ जायेगा अगर जनसुनवाई का विस्तार दे दिया जाता है इसलिये इस जनसुनवाई का हम विरोध करते हैं। वायु प्रदूषण को कम करने के लिये संयंत्र के आस पास 37 प्रतिशत हिस्से में हरित पट्टिका लगान का झूठ बोला गया है। अभी तक

जिंदल द्वारा कितनी हरित पट्टिका लगाया गया है कृपया उसका डेटा रखें तब कही आगे विस्तार को मौका दीजिये। अपशिष्ट जल को छिड़केंगे बोल रहें है किरोड़ीमल के अपशिष्ट जल का व्यवस्था कराकर अभी तक उपचारित नहीं किया है खुले में बह रहा है हम ट्रेन व बस से आ जा रहे हैं आने जाने का रास्ता नहीं है। मैं ईआईए पढ़ रही हूं मैं अभी नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुये आई हूं। नल जल उपचार पेयजल हो कि पर्यावरण हो कि वायु प्रदूषण का किसी का नहीं दिया है। इस परियोजना के 02 किमी के अंदर के रेडियस में जिंदल एयरपोर्ट है जिसको यहां छिपाया गया है। ये आपत्ति है हम इस केस को एनजीटी तक लेके जायेंगे। इसमें सामुदायिक वन हक की जमीनें 20 किमी रेडियस में सैटेलाईट का जो नक्शा आता है उसमें केलो नदी, रामझरना, टीपाखोल ये वही टीपाखोल है जो भालू और हाथियों का अड्डा है। फ्लाई ऐश का बेहतर निस्तारीकरण नहीं है पानी की सुविधा नहीं है इनके पास जमीन नहीं है ये किसके उद्योग का विस्तार करेंगे। एक ही पेज को 32 बार फोटोकॉपी करके लगाये हैं किसी प्रकार का सारगर्भित जानकारी नहीं है कि आदमी पढ़ पाये। आप जानते है यहां लिटरेसी रेट क्या है। साक्षरता दर के अनुसार 20 किमी रेडियस के अंदर इनको ईआईए की हिन्दी कॉपी भेजना था, समाचार पत्र, मुनादी आदी करना था। महिलाओ के रोजगार का न स्वास्थ्य का न ही शिक्षण का इस जिंदल कंपनी कि किसी भी इकाई चाहे तमनार की हो या चाहे रायगढ़ की हो कही भी महिलाओं के लिये जगह नहीं है तो किस आधार पर ये जनसुनवाई हो रही है। आप ये ईआईए पढ़ के आये होंगें पीठासीन महोदय। इनके ईआईए में बंगाली बंदर है, उड़न सोने की गिलहरी है और इनके पास भौंकने वाले हिरण हैं इतने अच्छे जीव विविधता है तो पर्यटक स्थल घोषित क्यों नहीं कर देते हैं। कोविड का 02 केस परसों निकला है उसके बाद इतनी बड़ी भीड़ इतनी बड़ी जनसुनवाई करवाने का औचित्य नहीं रह जाता है इसलिये मैं सीमेंट प्लांट का लिखित और मौखित विरोध करते हुये आवेदन दे रही हूं और इस जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करें। जय हिन्द जय भारत जय छत्तीसगढ़।

210. शीतलादेवी– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
211. रोशनी महंत– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
212. सेतमति– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
213. सुलोचना महंत, बनसिया– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।
214. सुरूज कुमारी चौहान– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।
215. सुखमति चौहान– हमारे बेरोजगार बच्चों को रोजगार दिया जाये। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।
216. पुष्पराम – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।
217. हरिशंकर चन्द्रा, रायगढ़ – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

218. बबलूराम, पतरापाली – योग्यता अनुसार नौकरी कर रहा हूं घर का रोजी रोटी चल रहा है तो मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

219. शिवकुमार, पतरापाली – ऐसी प्लांट लगने से कुछ न कुछ विकास होता है इसलिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

220. प्रेमलाल चौहान, सराईपाली – हमारे गांव में शमशान जाने का रास्ता नहीं है, जिंदल रोड बनाकर दे। महिला मंडल के मांग को पूरा करें। हमारे गांव को कोई व्यक्ति बेरोजगार नहीं रहना चाहिये। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का करता हूं।

221. रोशनलाल चौहान, सराईपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

222. गोरेलाल बरेठ, गोरखा – मैं जनसुनवाई का विरोध करता हूँ। निम्न कारणों से नव युवाओं को किसी भी प्रकार का रोजगार नहीं दिया जाता है, किसी का जमीन गया है तो उनको को भी रोजगार नहीं देते हैं। गोदनामा गांव को भी जो सुविधायें देनी चाहिये नहीं देते हैं। प्रदूषण भी बढ़ रहा है जिसके कारण मैं जिंदल का विरोध कर रहा हूं।

223. उदय कुमार, पतरापाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

224. धीरज कुमार चौहान, सराईपाली – मेरा जमीन जिंदल में गया है मैने ग्रेजुऐशन 2018 में किया था और 04 साल से जिंदल में रोजगार के लिये दौड़ लगा रहा हूं। इंडस्ट्री का विकास वो प्रदेश का विकास है इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूं लेकिन हमारे जैसे युवाओं को रोजगार के लिये भठकना पड़ेगा तो हम कहा जायेंगे। स्थानीय लोगों को ध्यान दें। अपने प्लांट में हमें काम देकर हमें भी हिस्सा बनायें।

225. योगेश भारद्वाज– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

226. हरिशंकर तिवारी, भूपदेवपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

227. नयन साहू – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

228. प्रेमप्रकाश चौधरी – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

229. गंगाधर पटेल – जिंदल की देन है कि प्रति व्यक्ति, व्यापारी, राजनीति सभी को फायदा हुआ है। एक बात बिलकुल पक्का है अपने हृदय में हाथ रखके बोले की जिंदल द्वारा इस क्षेत्र में विकास हुआ है कि नहीं। रोड, पानी, स्कूल की व्यवस्था एवं नौकरी भी मिला है। आज विषय है पर्यावरण का धुंआ का लेकिन हमें नौकरी चाहिये। धुंआ कम हो इसके लिये चिमनी की ऊंचाई बढ़ाई जाये जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्या न हो। आज प्रदूषण भारत के छत्तीसगढ़ के कोसमपाली एवं सराईपाली का सवाल नहीं है, पूरे भारत के आधे राज्य में प्रदूषण है। मैं अपने हृदय पर हाथ रखकर कहता हूं कि जिंदल के आने के बाद किसी ने भी सुख सुविधा का भोग किया है। हमारे नवयुवक की मांग का समर्थन है। वे पढ़े लिखे हैं उनका जमीन गया है उनको नौकरी मिलेगा और मिल रहा है। यह कोई नया प्लांट नहीं हैं प्लांट का विस्तार हो रहा है मैं सभी से अनुरोध करता हूं इसका समर्थन करें। मैं जिंदल का समर्थन करता हूं।

230. रामसिंह यादव, कलमी – हमारे गांव के नवयुवकों को नौकरी मिलना चाहिये। बाहर के आदमी को काम मिल रहा है तो हमें क्यों नहीं मिल पायेगा।

231. दूर्गानंदिनी, कोसमपाली – जिंदल में मैं 2010 से जुड़ी हूँ। सरकारी योजना के तहत् नवनीहाल योजना में बच्चों को पढ़ा रही थी। सरकारी योजना से शौचालय बनना अनिवार्य है। पर सरकारी योजना से शौचालय तो नहीं बना जिंदल से हमने सहयोग मांगा शौचालय बनवाने में उसमें भी जिंदल हमारा सहयोग किया। जब कोरोना आया तो हम लोग खाली बैठे थे घर में खाने पीने का सुविधा नहीं था तब जिंदल नें हमें रोजगार देकर सहयोग किया। हमने 70 हजार मास्क बनाया जिसको मेरे गांव के और 20–22 महिला ने बनाया है। कोरोना काल में 20–22 परिवार को रोजगार मिला। जिंदल सीएसआर से हमेशा सहयोग करता है। अपने गांव के हित के लिये मैं जिंदल का समर्थन कर रही हूं। मरे समाज की ओर मैं जिंदल का ध्यान इंगित करती हूं कि आने वाले 02 वर्ष में सहयोग करें। हम जिंदल के शैक्षणिक योग्यता नहीं रखते इसलिये यह ध्यान में रखते हुये हमें सहयोग करें और हमारे समाज के शिक्षित युवा को नौकरी दे। मैं चाहती हूं प्लांट के साथ विकास भी आये। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

232. गंगा चौहान, कोसमपाली – जिंदल वाले हमारा बहुत सहयोग किये है और हमेशा हमे सपोर्ट करते है। कोरोना काल में भी हमारा सहयोग किये हैं। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

233. रेखा सिंह, खैरपुर – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हमारे गांव में कच्चा रास्ता है उसे ठीक करवा दें।

234. बिना चौहान, खैरपुर – जिंदल बहुत अच्छा है हमारे यहा पानी और रोड का समस्या है निवारण करें। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

235. सुदामा चौहान, किरोड़ीमलनगर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

236. उत्तराकुमार लहरे, कलमी – हमारे गांव के लोगो को रोजगार मिले मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

237. पिंटु सिंह – मैं जिंदल के समर्थन में हूं। नवीन जिंदल जी के वजह से जो पैदल चल रहे थे वो फोर व्हीलर में चल रहे हैं, जिसके घर में साईकल था वों आज बाईक में घूम रहा है। रायगढ़ में 05 विधानसभा है उन सभी में नाली, सड़क एवं सामुदायिक भवन सबका विस्तार किया जा रहा है। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

238. लक्ष्मेन्द्र नायक, धनागर – जिंदल का विरोध करता हूं। हमारे गांव में जो वादा किये थे वो पूरा नहीं किये हैं इसलिये मैं विरोध कर रहा हूं।

239. चैतराम सिदार – विरोध करता हूं। मैं 28 एकड़ जमीन दिया हूँ नौकरी नहीं मिला है मेरे दो बच्चे हैं और मैं विकलांग हूँ। आप समझने की कोशिश कीजिये।

240. हेमेंत कुमार चौहान, कोकड़ीतराई – आज से लगभग 30 साल पहले जिंदल हमारी जमीन ले लिया था तब मेरे माता पिता एवं अन्य कोई परिवार का पढ़ा लिखा नहीं था। जिंदल हमारा डेढ़ एकड़ जमीन ले लिया और भूअर्जन का नाम दे दिया तब मेरे माता पिता को पता नहीं था यह क्या है मेरे भैय्या को पता सालों बाद तो नौकरी के लिये गये पहले नौकरी दिया फिर तकलीफ दिया उन्होने बाद में नौकरी छोड़ दी क्योकि मेरे पिताजी की मृत्यु कैंसर से हो गई जिसके पश्चात् उनकी नौकरी मेरे भैय्या को मिली और मैं जब नौकरी मांग रहा हूँ तो नहीं दे रहे है। बाहर के लोग आकर जिंदल का समर्थन कर रहे है। एक दीदी बोल रही थी उनको गांव के लोगों को नौकरी दिया गया वो ओवरब्रिज के गेट के पास धरना देते थे इसलिये उन्हे नौकरी दिया गया। बाहरी आदमी का ठेा जिंदल में चलता है जिन्हे कोई लेना देना नहीं है इसी वजह से गांव के लोग त्रस्त हैं हमें रोजगार नहीं मिल पा रहा है। मै डिप्लोमा होल्डर हूं। गांव में प्लांट है तो मैं क्यु बाहर जाके नौकरी करू। जिंदल द्वारा मुझे पिछले पांच साल से घुमाया जा रहा है। गांव प्रदूषण से भरा दिया गया है। तालाब का पानी काला हो गया है। प्रदूषण के वजह से काफी लोग बीमार पड़ रहें हैं। मैं हमारे बारे में कुछ कीजिये, हमारे डभरी का पानी काला हो गया है आये दिन लोग बीमार पड़ते रहते है। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करता हूं।

241. गोपाल चौहान, कोकड़ीतराई – हमारा गांव जिंदल के ऊपर आश्रित है। जिंदल के अुनसार इमप्लॉय् होना चाहिये और बहुत सारे युवा बेरोजगार हैं। जमीन को भी झूठ बोलकर लिया गया है और जिंदल में जाने पर बहुत घुमाया जाता है। रेल्वे क्रसिंग में भी बहुत दिक्कत होती है और हमारे किरोड़ीमल के प्रवेश द्वार में शराब दुकान है जो आउटर में होना चाहिये था। उस रास्ते से हमारे पढ़ने वाले बच्चे, भाई बंधु, महलाऐं वहां से जाते हैं। मैं जिंदल का विरोध करता हूं।

242. सीता बाई, रायगढ़ – कंपनी से बहुत लाभ मिलता है। लाईन, पानी, सड़क की सुविधा मिलती है। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

243. मथुरा महंत, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

244. लता महंत – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

245. मोना भट्ट, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि जिंदल हमेशा मेरा हेल्प करता है। सीएसआर से भी अन्य प्लांट हमारी आजिविका में मदद करते हैं।

246. जनसुनवाई का नाम सुनकर ही लगता है कि प्रशासन के लोग जनता को बहुत की संजिदगी से सुनते हैं। आज बहुत ही प्रबुद्ध लोग इस जनसुनवाई को करवा रहे है। यह हमारे रायगढ़ जिले में विगत 02 वर्षों में 30 वीं जनसुनवाई है। मैने तीसों को देखा है जनसुनवाई को कोई रोक नहीं सकता यह एक प्रक्रिया है। सत्ता में जो प्रशासन हैं वो अगर आदेश देते है कि जनसुनवाई सम्पन्न होना है तो शासन के कटपुतलों को यह निर्वहन करना पड़ता है। और इसकी तैयारी एक दो महीने पहले पूरी होती है। मैं जब कोसमपाली, सराईपाली और धनागर तथा जिंदल के आस पास के गांवों को घूमता हूं तो बहुत तकलीफ होती है। इस

धरा पर जो आत्मा है वों इस जहर को अपनी सांसों में घोलकर अपनी जिंदगी को न्यून करने का काम कर रहे हैं और वो समर्थन में हाथ उठा रहें हैं और उन्हे ये भी नहीं पता की वो जहर को अपने भीतर ले रहे हैं। विकास के नाम पर जो रायगढ़ में कृषि भूमि है, पेड़–पौधें हैं और जीव–जन्तु हैं उनमें परिवर्तन देखने को मिलेगा। हवा के साथ अन्न में भी जहर का समावेश हो गया है। एन.आई.ए. के अनुसार जिस प्रकार की जनसुनवाई होनी चाहिये उस प्रकार की जनसुनवाई की उम्मीद तो हम नहीं करते हैं पर पढ़े लिखे औधे पर बैठे लोगों को अपनी मानवता के नाते उन सब चीजों का विरोध करना चाहिये न कि पैसे के सामने घुटने टेंकने की जरूरत है। पूरा प्रशासन बड़े उद्योग या नेताओं के कब्जे में है। पढ़ लिखकर हम आईएएस आईपीएस क्यों ने बन जाये हम अपनी मानवता की बात नहीं कर सकते तो क्या हम स्वतंत्र भारत में इन उद्योगपतियों की गुलामी नहीं झेल रहे हैं। जो लोग नियम को ताक पर रखकर भारत माता को छलनी कर रहे हैं उनको सोचने की आवश्यकता है। देश में जो उद्योगपतियों का काला चक्र है उसको तोड़ने की जरूरत है। जैसे अंग्रेजो ने हमें गुलाम बनाया था वैसे ही विकास के नाम पर उद्योग गांव की जनता का को पेरने का काम कर रहे हैं। आज हम कहते है लोगो को रोजगार मिलना चाहिये, क्षेत्र का विकास हो निश्चित रूप से क्षेत्र का विकास होता है लेकिन जिन मापडण्डों से उद्योग लगते हैं उनका पालन क्यों नहीं होता है। जिंदल की चिमनी निचे हैं उसे ऊपर उठाने के कई आदेश हो चुके पर क्या आज वो ऊपर उठी है, उसमें जो फिल्टर लगा होना चाहिये वो लगा है, नहीं लगा हुआ है, पर्यावरण वाले दिल्ली से जांच के लिये आते है और ब्रिफकेस लेकर चले जाते है। उनकी मानवता का यही प्रतिफल है कि उन्हे ब्रिफकेस मे तौल दिया जाये। जनसुनवाई जहां होनी चाहिये वहां न होकर जहां विरोध को दबाया जा सके ऐसे जगह में हो रहा है। हमारे रायगढ़ जिले के पांच विधायकों में से किसने यहां आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। सत्ता के लोग सत्ता के खिलाफ नहीं सुन सकते है इसलिये मौन हैं। जनसुनवाई रोकने की विरोध है पर हम रोक नहीं पायेंगे क्योंकि यह एक साजिश है। मंत्री और उद्योगपति तो आप काम करके निकल गये, पर ठेकेदारों को बोल दिया की 200 आदमी लाकर समर्थन करवायें नही तो उनके ठेकेदारी पर प्रभाव पड़ेगा। सबके अपने विचार हैं पर विकास के नाम पर लोगों को छलना बंद करें। पर्यावरण शुद्धता के लिये हमें आवाज को उठानी होगी। आज सड़को पर कितनी मौते होती है ये पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। रेत और कोयला गाड़ियो के चलने से रोड के किनारे के डस्ट है उसे साफ करना चाहये। परिवहन के नियम से अधिक क्षमता के वाहन ओवरलोड चलती हैं स्पीड से अधिक तेजी से चलती हैं नियम जैस कोयले बालू को ढककर परिवहन किया जाना चाहिये लेकिन ढका नहीं जाता। जो ट्रक परिवहन में उपयोग किये जाते है किसी के लाईट नहीं और किसी के बैक लाईट नहीं जल रहे और किसी के परखच्चे उड़े हैं और ये आदमियों को रौंधते हुये चले जाते हैं और फैक्ट्री के हादसे तो गुम हो जाते हैं। इन प्लांट के कारण वाहनों से जो सड़क हादसे होते हैं उनको कम करने की आवश्यकता हैं। हम विरोध करेंगे जिन लोगों को पोटलियां मिल गई है उन्हे चाटुकारिता करने दो। ये जनसुनवाई कुछ लोगों को

सुनवाने के लिये होती है शायद कुछ लोगों के जमीन और आत्मा जाग जाये यहीं सार्थक होगा इस जनसुनवाई के लिये। जनसुनवाई में अपनी सारी बात रखने का मौका दिया जाता है। हम सिद्धांत से लड़ेंगे भले ही हमारे देश का संविधान जिस हालत में हो उसकी रक्षा हमें ही करनी है। समर्थक लोगो पर विरोधी भारी पड़ रहे है। हम पुरी बात नहीं रख पाये है, जिन नियमों का पालन होना चाहिये वो नहीं हो रहा है। सड़क में ओवरलोड गाड़ी न चलें, कोयले और बालू परिहवन से एक्सीडेंट होता है। 500 से 1000 लोगो की मृत्यू सड़क दुर्घटना में होती है सड़क किनारे फैले बालू और कोयले की वजह से। आज का विरोध भारतीय आत्मा की स्वर की आवाज है इसको शासन और प्रशासन दबा नहीं सकता कितनी भी कोशिश कर लीजिये एक दिन सच बात निखर के सामने आयेगी। पूरा शासन और प्रशासन मेरे देश के संविधान को छलनी करने में लगा हुआ है। आज ये विरोध का स्वर जो सुनाई दे रहा है।

247. राजाराम चौहान – शुक्ला और संजू चौहान आज यहा क्यों नहीं आये, जमीन को ले लेते हैं और नौकरी नहीं देते हैं आज क्यो नहीं आये शुक्ला और संजू चौहान जिंदल में काम करते है बहुत बड़े तोपचंद बन गये, नेता बने है, सब पैसा खाये है।

248. कविता यादव, कांशीचुंआ – जिंदल जो कर रहा है यह सही नहीं लग रहा है मुझे इसलिये मैं इस जनसुनवाई विरोध कर रही हूं।

249. रूकमणी पटेल, जामपाली – इस जनसुनवाई विरोध कर रही हूं क्योंकि जिंदल जो कर रहा है वो सही नहीं लग रहा है मुझे।

250. लीला बाई, डूमरपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

251. योगेश्वनी साहू – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

252. भूमिका साहू, कांशीचुंआ – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

253. अनिता चौहान, जामपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

254. ऋतु यादव, – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का विरोध करती हूं।

255. उर्मिला चौहान – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। मेरे बेटे के लिये नौकरी चाहिये जिंदल में।

256. राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड ग्राम–कोसपाली का अवैधानिक जनसुनवाई का मैं पूर्ण रूप से विरोध कर रहा हूँ। मेरे एक साथी अभी बोल रहे थे तभी आपने कहा आप जल्दी अपनी बात रखिये जो भावना, विचार, तथ्य हैं वो जल्दी रखे या देर से ये उसका संवैधानिक अधिकार है। मैं जो विरोध कर रहा हूं उसका तथ्य समर्थन करने वाले और विरोध करने वाले भाई बन्धु शांतिपूर्वक सुने। एक समय पर अंधाधुंध औद्योगिकरण पर रोक लगाने के लिये विश्व स्तर पर एक सम्मेलन हुआ जिसका नाम रखा गया पृथ्वी 1972 में स्टार्कहोम में ये पृथ्वी सम्मेलन सिर्फ पर्यावरण के चिंता के लिये किया गया था और स्वीडन में 119 देशों ने उसमें सम्मिलित हुये। पृथ्वी में सभी का जीवन महत्वपूर्ण हीव

जन्तु, वनस्पति, पेड़ पौधे, जल जीव सबको जीने का नवसैंगिक अधिकार है वो मजबूती से कायम रहे और उस पृथ्वी सम्मेलन में एक धरती और इसमें जीने के लिये 119 देशों ने एक प्रस्तावित पारित किया। उसके बाद उन 119 देशों ने अपने अपने संविधान में पर्यावरण को लेकर एक कार्ययोजना एवं विधि बनाया हमारे देश का विधि भी आजादी के पूर्व का है उसमें कई संशोधन होते रहे हैं। मेरा प्रश्न माननीय पीठासीन महोदय एवं पर्यावरण अधिकारी से है। क्या जो सामने गांव का नाम दिया गया है वहीं प्रभावित क्षेत्र है। ईआईए की संशोधित अधिसूचना 14 सितम्बर 2006 में जो प्रावधान प्रावधानित किया गया है वो विधि तुल्य मान्य है और जिसका परिपालन वन पर्यावरण मंत्रालय को करवाने की जिम्मेदारी है और राज्य में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिले में क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मंडल का जिम्मेदारी बनता है परन्तु दुख की बात है रायगढ़ जिला छत्तीसगढ़ में जो एक दर्जन जिले हैं वोल लगभग 15 वर्ष पहले रेड जोन में चले गये हैं वहां जीवन संकट में हैं वहां उद्योग का विस्तार एवं स्थापना नहीं हो सकता। माननीय पीठासीन महादेय आप जिल दण्डाधिकारी के रूप में यहां बैठे हुये हैं उनकी प्रतिनिधित्व कर रही हैं आज ये तीसरी जनसुनवाई है जिसमें अपर कलेक्टर महोदया पीठासीन अधिकारी के रूप सम्मिलित होकर सम्पन्न करा रही हैं तो क्या संविधान सम्मति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। क्या पर्यावरण विभाग वो ईआईए रिपोर्ट जो फर्जी है निराधार है, इस जनसुनवाई को करवाने का अधिकार राज्य सरकार को नहीं हैं क्योंकि आवेदन अगर डेढ़ साल दो साल हो गया तो ये आपके अधिकार मे नहीं हैं। एक सडयंत्र राज्य सरकार के आलाकमान में बैठे मुख्यमंत्री और विपक्षी दल में भी सब मौन है क्यों। क्योंकि इन सबको संचालित उद्योगपति कर रहे हैं। रायगढ़ जिले में जो पर्यावरण प्रभाव का मुलयांकन का रिपोर्ट तैयार किया गया है वो किन कारणों से परीक्षण व नमूना के लिये मिट्टी पानी हवा ध्वनि का नमूना लिया गया है वो कौन सा गांव है ये मेरा प्रश्न है इसका सवाब प्रशासनिक और कंल्सटेंट भी देगी। क्यों कि सैम्पल लिया है जो इस लोकतंत्र में ग्राम पंचायत को विशेषाधिकार है ग्राम पंचायत के अनुमति के बिना आप दखल नहीं दे सकते तो क्या पर्यावरण प्रभाव का मुलयांकन का रिपोर्ट जिन गांवो से नमूना लिया गया मिट्टी पानी ध्वनि तो उस गांव का कोई पंचनामा क्या जिंदल प्रबंधन बता सकता है वो किस कुऐं, तालाब, हैण्डपम्प से और किस किस जगह से मिट्टी लिया गया है और उसके साक्ष्य क्या हैं बिना साक्ष्य के ईआईए रिपोर्ट। पीठासीन महोदय को नवीन जिंदल और ईआईए बनाने वाली कंपनी को फर्जी रिपोर्ट, जनता और प्रशासन को गुमराह करने व वांछित लाभ दिलाने के लिये तत्काल पुलिस प्रशासन को आदेशित करना चाहिये। मै। पुलिस के आला अधिकार एवं यहां जो दण्डाधिकारी के पद पर हैं मै उनसे सादर अपिल करता हूं इतना बड़ा अपराध आपके सामने घटित हो रहा है और आप लोग अपने कर्तव्यों का निर्वहन क्यों नहीं कर रहें हैं भारत सरकार में आप जो सेवा दे रहें हैं उसका वेतन आपको सरकार दे रहा है नवीन जिंदल फ्रॉड आदमी है। अगर ये सीएसआर का भी पैसा खर्च किया है स्कूल बनाया है, कॉलेज बनाया है, हॉस्पिटल बनाया है उसका व्यापार कर रहा है क्या करना चाहिये? आप तो पढ़े लिखे है मैं नहीं हूं मैं हायर स्कूल पास नहीं हूं

लेकिन मैं आप से जवाब चाहूंग जो सीएसआर मद से जो पैसा उपयोग हुआ है वो जनता को हैण्डओवर हो जाना चाहिये उस पर व्यापार नहीं और व्यापार हो रहा हैं तो आप जनता से प्रशासन से धोखाधड़ी कर रहे हैं, षडयंत्र कर रहे हैं नवीन जिंदल धोखाधड़ी का अपराधी है उसका तत्काल गिरफ्तारी होना चाहिये। यहीं पास के गांव सराईपाली में नवीन जिंदल के गुंडों ने गोली चलाई थीं एक आदमी मर गया था सजा नहीं हुई क्योंकि केन्द्र व राज्य में जो नुमायेंदे बैठे है चाहे प्रधानमंत्री हो या मुख्यमंत्री वो पालतू जानवर जैसा काम करते हैं। मै नवीन जिंदल को चुनौती देता हूं जिला प्रशासन को भी अवसर देता हूं कि वो अपराधिक प्रकरण करवाकर तत्काल गिरफ्तार करवाये और ये जनसुनवाई अभी यही खारिज होना चाहिये। आपको मैं संविधान और भारत की कानून की शपथ देता हूं आप अपने दायित्व का निर्वहन कीजिये। अगर पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार किया गया है तो इस क्षेत्र में कौन कौन से बीमारी से कितने लोग ग्रसित हैं। कितने लोग सड़क दुर्घटना में मर रहे हैं। सड़क दुर्घटना में मरने वालों में भारत में अग्रणी जिला रायगढ़ है प्रदूषण में कोरबा के बाद हम हैं तो 15–20 वर्ष में जिन मापदण्डों को हमने पार कर लिया है और जहां जैव मंडल असुरक्षित है वहां विकास के नाम पर हम धांधली करने नहीं देंगें। हम आपको जनसुनवाई करने का अनुमति नहीं देंगे तत्काल इसे निरस्त करें। मैं भारत का एक नागरिक जो आपको वेतन देता है आपको ओदेशित करता है यहां संविधान सम्मत कार्य करिये, कानून का पालन करये यहां मौन रहकर आपको कार्य नहीं करना है। जो ईआईए रिपोर्ट है उसकी एक कमेटी है राज्य में जो जांच करते हैं, स्क्रीनिंग कमिटी बोलते है, वहां सब चोर लोग हैं वहां एक तिवारी है जो कम से कम 5000 हजार करोड़ का मालिक है वहीं दोहन कर रहा है पूरे प्रदेश मे ओगाही कर रहा है सरकार को पहुंचाता है चाहे भाजपा की सरकार हो या कांग्रेस की। प्रवर्तन निदेशालय माईनिंग वालों को पकड़ रहा है आप भूपेश बघेल को पकड़िये उस तिवारी को पकड़िये और जितने पर्यावरण अधिकारी हैं औद्योगिक क्षेत्र के उनके संपत्तियों का जांच कीजिये आपको पता लग जायेगा कितने संपत्तियां हैं और इनका पॉलिग्राम टेस्ट करावाईयें ये मांग मैं प्रशासन से करता हूं। संविधान ने आपको शक्ति दी है उसके तहत आप धरना दे सकते हैं और यहां बैठकर अहिंसक आंदोलन कर सकते हैं शांतिपूर्वक जब तक ये जनसुनवाई निरस्त न हो क्योंकि विधि का पालन नहीं हो रहा है तो फिर क्यों? क्या प्रशासनिक आतंकवाद इतना हावी हो गया है कि हम छत्तीसगढ़ वाले इसका विरोध नहीं करते? मैं राधेश्याम शर्मा इसका विरोध करता हूं। अब मुझे प्रशासनिक अधिकारी जवाब दें कि फाल्स ई.आई.ए. रिपोर्ट के आधार पर यहां कैसे बैठे है? पर्यावरण अधिकारी आपके माता पिता के त्याग और आपने जो पढ़ाई पढ़ी है और जिस स्थान पर आप पहुंचे हैं जीव जगत के साथ जो अत्याचार उद्योगपति और नेता कर रहें हैं उसमें सम्मिलित हैं आप उसके अपराधी हैं। यहां जो पुलिस के आला अधिकारी हैं उनके इस कंपनी, फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाने वाली कंपनी और प्रशासनिक अधिकारी जो इस जनसुनवाई को जबरजस्ती करवा रहें हैं उन्हे तत्काल गिरफ्तार किया जाये। षड्यंत्र करने का, जाली दस्तावेज बनाने का उसको प्रचलन में लाने का और जनता, शासन प्रशासन को गुमराह करने का और

संविधान का उल्लंघन करने के आप लोग अपराधी हैं। मेरा इस मौखिक आवेदन को पुलिस विभाग के उपर मेरा विश्वास है इसे एफ.आई.आर. के रूप में लिया जायेगा और नहीं लिया जायेगा तो मैं विधिवत जाउंगा लेकिन प्रक्रिया है तो उस प्रक्रिया का पालन होना चाहिये संविधान सर्वोपारी है उससे बड़ा कोई नहीं है। हमारे देश में सबका अलग अलग ट्रिब्युनल है सबका अलग अलग प्रभाग है नियंत्रण करने के लिये केन्द्र में भी ग्रीन ट्रिब्युनल हैं तो ये पर्यावरण संरक्षण मंडल गुलामी कर रहा है लेकिन जो ग्रीन ट्रिब्युनल है वो क्यों मौन है आयोग का व न्यायाधीश का दर्जा है और अगर न्यायाधीश पालतू जानवर बन जायेंगे तो कैसा होगा? फिर कौन रक्षा करेगा? कौन हमारी जान बचायेगा? क्या हमको जीने का अधिकार नहीं है? हम जो स्वंतत्र भारत में सांस ले रहे हैं मैं पीठासीन महादेय का ध्यान आकृष्ट करना चहूंगा इस मंच से चारो तरफ देखे कि एक भी पेड़ हरा दिख रहा है तो बता दें क्यों? पर्यावरण विभाग क्या कर रहा है? आप दण्डाधिकारी के पद पर हैं उस पद को काहे कलंकित कर रहें हैं। आप महिला हैं आपका मैं चरण पकड़ता हूं कि आप रायगढ़ जिले का रक्षा कीजिये, जनता का रक्षा कीजिये, जान का खिलवाड़ मत कीजिये। आप अपने कर्तव्यों का और दायित्वों का पालन करिये। दण्डाधिकारी वह होता है जो तथ्य सुनता है तथ्यतात्मक उस पर तुरंत निर्णय देता है। मैं अगर झूठ बोल रहा हूं तो मेरे उपर आपराधिक प्रकरण दर्ज कीजिये, मुझे गिरफ्तार कीजिये, जेल भेजिये। मैं जेल जाने को तैयार हूं मैं 27 वर्षों से जेल जा रहा हूं। जेल मेरा घर है सभी सेन्ट्रल जेल में मेरे लिये जगह सुरक्षित है। मैं पुनः पर्यावरण अधिकारी से निवेदन करूंगा कि अगर ये फर्जी ईआईए रिपोर्ट है अगर स्क्रीनिंग कमिटी बिक गई है, यहां का मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक बिकाऊ है, जनप्रतिनिधि बिकाऊ हैं आप बिकाऊ मत बनिये। आपको पर्याप्त पैसा जनता देती है इस लोकतंत्र में जो वेतन मिलता है आपकी जवाबदारी आपने जो अनुबंध किया है सेवाशर्तों मे आने से पहले वो सिर्फ जनता के लिये जवाबदेही आपकी है। आपका कर्तव्य केवल जनता के प्रति होना चाहये। मैं पुनः पीठासीन महोदय से निवेदन करूंगा वो मौन न रहें वो यहीं निर्णय दें नही तो जो विरोध में साथी आये हैं हम गांधी के देश में है हम अहिंसात्मक धरना दें जब तक शासन यहां से चला न जाये। जो समर्थन कर रहा है जायें नवीन जिंदल के घर में ये जनता का मंच है, ये संवैधानिक मंच है, न्यायायिक मंच है, यहां बिना तथ्यात्मक बात को न बोले। मेरे एक ठेकेदार साथी बोले कि आप यहां क्या करने आयें हैं मैने कहा जनता यहां विरोध करने आई है यहां जागृति फैल रही है यह खुशी की बात है, विधानसभा में जागृति आ रही है लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि में जागृति नहीं आई है, यहां के बड़े नेता में जागृति नहीं आई है जो प्रदेश स्तर के हैं सब बिके हैं। खुले मंच में बोल रहा हूं यहां का मंत्री और पांचों विधायक बिके हैं, मुख्यमंत्री बिका हुआ है, कौन इनके ऊपर कार्यवाही करेगा? इस प्रभावित क्षेत्र में कितने ग्रामपंचायत है जिसे अध्ययन क्षेत्र कहते है पर्यावरण के भाषा में। आपने रायगढ़ में किस वार्ड के पार्षद को ईआईए रिपोर्ट दिया है? लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वो उस वार्ड की सरकार है किरोड़ीमल नगरपंचायत है उनको ई.आई.ए. नहीं दिया, दो दर्जन से ज्यादा ग्रामपंचायत है उनका आपने ईआईए नहीं दिया, क्यों? पर्यावरण अधिकारी से पूछता हूं आप किसके

कहने पर सिर्फ 10–11 गांव में ईआईए उपलब्ध करायें हैं कुसमुरा 03 कि.मी. में है तो वायु सीमा में जितने गावं हैं उन्हे तो पढ़ने के लिये मिल जाये। सार संक्षेप हिंदी में है तो पूरा डिटेल कौन बतायेगा। मुनादी की प्रक्रिया केवल इतने गांव में है। जो अनपढ़ जनता कैसे समझेगा कि इससे लाभ है या हानि है? ये कर्तव्य पर्यावरण विभाग एवं जिला प्रशासन का है जिसका निर्वहन प्रशासनिक अमला नहीं कर रहा है। मैं पुनः निवदेन करता हूं मुझे बाध्य न करें क्यों कि मैं माईक से हटते ही विरोध करने वाले से अनुरोध है मै गांधीवादी तरीके से यहीं उनके साथ मंच पर धरना दूंगा, जब तक यह निरस्त नहीं हो जाता है। आज संविधान की रक्षा होगी। आज अगर आप भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के बारे में सोच रहे हैं, उसकी रक्षा के बारे में सोच रहे हैं तो आपको आपके पूर्वजों की कसम है। पुलिस विभाग का दुरूपयोग करके कुछ 100–200 लोग और प्रशासनिक अमला के कुछ अधिकारी ये अत्याचार कर रहें और कानून का परिपालन नहीं कर रहे हैं तो आपको लड़ाई लड़नी पड़ेगी। मेरा एक विशेष बिन्दु है आज के जनसुनवाई में जितनी गाड़ी खड़ी है उनका नंबर नोट करवाया जाये वो उनकी भी वीडियोंग्राफी की जाये, जो बोल रहा है केवल उसका न करें, वो किनकी गाड़िया है, उनको कौन लाया है और कौन बैठा कर लाया है और अगर लोगों को ढोकर लाया जा रहा है तो जनमत असंवैधानिक हैं, त्रुटिपूर्ण है। ऐसी गैरकानूनी प्रक्रिया को आप कैसे तव्वजो दे रहे हैं और जनसुनवाई हो राज्य में या भारत में तो केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अध्यक्ष से निवेदन करूंगा ईआईए कम्प्लीट हिन्दी में हो या क्षेत्रीय भाषा में हो। ईआईए 05–06 पेज की उससे जनता क्या समझेगी? जो हिंदी पढ़ा है उतना को पढ़ पायेगा बाकी के आंकड़े यहां जैव विविधता क्या क्या है? यहा पुरातात्विक स्थलो का वर्णन नहीं किया गया है, प्राकृतिक और भौतिक जल स्त्रोंतों को जो मानव निर्मित है क्या टीपाखोल का भी उल्लेख नहीं किया गया है? सिंघनपुर पुरातात्विक स्थल है, रामझरना पर्यटन स्थल है उसका उल्लेख क्यो नहीं है? ऐसा ईआईए रिपोर्ट ये सब समझकर आप लोग का प्रशासनिक दादागिरी। पुलिस विभाग के उपर उम्मीद है आप लोग के उपर अभी तक ऑनलाईन एफआईआर जारी हो गया होगा और नहीं हुआ हैं तो उनसे भी प्रार्थना है कि इनके झासें में न आयें। ये जितने का प्रोजेक्ट है इसका 20 प्रतिशत गुंडे, मवाली, नेता और अधिकारियों को खरीदने में लगता है क्यों? यह जनमत प्रक्रिया है तो बेरिकेट क्यो आपको क्या खतरा है मुझसे इस लोकतंत्र मे क्या खतरा है? जहां वोटिंग होती हैं वहां ऐसा बेरिकेट नहीं रहता आपको क्यों खतरा है क्योंकि आप लोग कानून विरोधी हो, अपराधी हो इसलिये आप लोग को खतरा है। पुलिस का दुरूपयोग कर रहें हैं। अभी जिंदल पैंथर विस्तार करेगी जहां पहले से इतना प्रदूषण है विगत 15 वर्ष में हम लोग लाल रेखा में पहुंच गये हैं जहां जीवन संकट में है। सड़क दुर्घटना में मर रहें हैं, हमारे फेफड़े खराब है हमारे जीव जन्तु बीमारी से मर रहें हैं। हमारे किसान के उत्पाद को मंडी में नहीं लिया जाता हैं ये धान काला है, ये गेहु काला है ऐसा क्यों? कोई महान बन जायेगा। हमारी माता बहन युवाओं को सीएसआर से आप ट्रेनिंग देकर आप बताये श्वेतपत्र जारी करें ये कंपनी सीएसआर और वेलफेयर फंड का क्या क्या सदुपयोग किया जा रहा है। एक नवीन जिंदल है

जिसे पूरे भारत में जाना जा रहा है। यहां 150 उद्योगपति हैं इतने फ्रॉड हरामी उद्योगपति हैं इन्होने रायगढ़ का भला नहीं किया। आज से 70 साल पहले छत्तीसगढ़ में एक भी पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं था, आंख के ऑपरेशन के लिये अलीगढ़ जाते थे तो उस किरोड़ीमल का हम जय जयकार नहीं कर रहे और नवीन जिंदल का कर रहे। नवीन जिंदल मे हिम्मद है तो राधेश्याम शर्मा से आके सार्वजनिक मंच में बात करें। अपराधी है वो उसकी गिरफ्तारी होनी चाहिये। ये कंपनी भू अर्जन के नाम पर जमीन लेकर नौकरी नहीं देते हैं और लोग यहां आकर बता रहे है कि चक्कर काट रहे हैं लेकिन नौकरी नहीं मिल रहा है उनके अधिकारों का हनन हो रहा है कि नही? उनको कौन नौकरी दिलायेगा। प्रशासनिक अधिकारी हमारे बात सुनकर चले जाते है, क्यो जाते हैं? आज निर्णय होगा। आपको न्याय देना होगा हम भिखारी नहीं न्याय पाने के अधिकारी हैं संविधान ने हमें न्याय पाने का अधिकार दिया है। कानून में यहां के संविधान में हम गुलाम नहीं हो सकते नेता, सांसद, विधायक गुलाम हो सकता है और जनता से अपील है कि ऐसे जनप्रतिनधि को वोट मांगने आये तो जूता मारें। इनकी गद्दारी का शिकार हम क्यों अपना जान देकर चुकाऐं? जनसुनवाई की प्रक्रिया में संशोधन की अभी बहुत बाकी है। मेरे दिमाग में जितना बात है मैं बोल रहा हूं इसे वीडियोंग्राफी के साथ स्पेशल टीप पर लिखें। जिला दण्डाधिकारी अगर ये लिख दे कि राष्ट्रपति यहां नहीं आ सकता तो राष्ट्रपति यहां नहीं आ सकता वो भारत के सर्वोच्च पद पर है क्यों? क्योंकि आप में शक्तियां है, सर्वमान्य है, आप न्यायाधीश है, आप ईश्वर की कुर्सी में बैठे हैं। आप नहीं रक्षा करेंगे तो कौन करेगा कौन बचाने आयेग पाकिस्तानी आयेंगे, चीन आयेगा हमको बचाने। स्टार्कहोम में जो 119 देशों ने सहमति दी वो बहुत विद्वान थे। उन्होने सभी देशों से आग्रह किया की इस पृथ्वी सम्मेलन की बातों को अपने अपने संविधान में शामिल करें और पर्यावरण विधि बनाकर उसका कड़ाई से पालन हो। मैं उद्योग का विरोधी नहीं हूं ये पैरेरल चलता है विकास के क्रमें उद्योग भी जरूरी है लेकिन कृषि के लिये क्यों प्लांट नहीं लगते जब कृषि प्रधान देश है तो क्यो प्रोसेसिंग प्लांट नहीं लगते? सब बिचौलिया माला माल हो रहे हैं और किसान जो मेहनत कर रहा है वो कंगाल हो रहा है वो जान गवां रहा है। प्रदूषण की चपेट में है, सड़क पर चल नहीं पा रहा है। कितने लोगों के पास टू विलर फोर विलर गाड़ियां हैं? आदमी बोल रहा विकास हुआ है टू विलर फोर विलर में चल रहे हैं और शराब पीकर एक्सीडेंट से मर रहें हैं उन माता पिता से पूछिये जिनके घर लाश निकल रहें हैं। मैं पहला वक्ता हूं जो समर्थन विरोध वालो का आभार कर रहा हूं। आपस न उलझे सब अपने ही भाई बन्धु हैं सब अपनी बुद्धि से कर रहे हैं गलत नहीं हैं गुमराह हैं बेरोजगार आदमी क्या करेगा? उसको जो तत्काल में जो मिलता है वों उसी मे निर्वहन करता है। जनसुनवाई की प्रक्रिया और निर्णय में जनसुनवाई कोई टिप्पणी नहीं करता, क्यों उसे कोई अधिकार नहीं है? पर्यावरण अधिकारी और प्रशासन अमला, पुलिस को अधिकार नहीं है टिप्पणी करने का? पत्रकार तो करते है जो उनको सही लगता है समर्थन या विरोध लेकिन जनपद में जब पोस्टर बैलेट की प्रक्रिया है तो इस जनसुनवाई में सभी प्रशासनिक अधिकारी और सभी को बैलेट मिलना चाहिये उसकी वोटिंग होनी

चाहिये। केन्द्रीय मंत्रालय अनुमति देता है जबकि एक लाख में निन्यानवे हजार विरोध कर रहें हैं ये कैसे संभव है? ये कैसी प्रक्रिया है और क्यों हैं? जागृति जनता लायेगी और यह बात नोट किया जाये कोरोना के बाद विगत 02 वर्ष में जितनी जनसुनवाईयां हैं जिनका अनुमति मिली है या जिनको अनुमति नहीं मिली हैं उनको स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित कीजिये। मैं कानूनी पड़ाई के लिये सक्षम नहीं हूं क्योंकि मैं हाईकोर्ट नहीं जा सकता, नेशनल ट्रिब्युनल नही जा सकता क्योंकि मेरे पास पैसा नहीं है। मैं विगत 27 वर्ष से मेरे पास काम नहीं हैं मेरे ईष्ट मित्र खिलाते हैं और लाते ले जाते हैं मुझे मैं उनके ऊपर भार हूं। तो इस अवैधानिक जनसुनवाई को तत्काल निरस्त किये जाने का आदेश पारित किया जाये। यहां की जनता को सड़क पर उतरने का मौका न मिले जबकि यहां विरोध करने वाले अगर गांधीवाधी तरीके से धरना देंगे तो मेरा वचन है उनको मैं अन्न त्याग कर उनका साथ दूंगा जब तक यह निरस्त नहीं हो जाता। गांधी के तरीके से संविधान के अनुसार हम आंदोलन करेंगे अगर आप कानून का पालन इस मंच और जनसुनवाई में नहीं कर रहे हैं तो हम इसी मंच मे धरना देंगे जब तक आप कानून का पालन नहीं करेंगे। आदरणीय पीठासीन महोदय आप हमारी बातों पर निर्णय नहीं ले पाये रहे हैं क्यों? क्या मजबूरी है आपकी? क्या खतरा है आपको? इस क्षेत्र की जनता आपकी रक्षा करेगी ये वचन हम देते हैं। नवीन जिंदल आदिवासियों पर गोली चला सकता है वो हमारे अधिकारियों को तंग नहीं कर सकता। यहां कलेक्टर राजू और विश्वकर्मा जी थे और वो निरस्त कर देते थे वो भी तो कलेक्टर थे वो भी पीठासीन अधिकारी थे आपने कौन सी अलग पढ़ाई पढ़ी है? आपने क्या संविधान पढ़ा है जो निर्णय नहीं ले पा रहें हैं। इस जनसुनवाई को निरस्त करके जो पारदर्शी प्रक्रिया है उसको पालन करें। आप हमसे ज्यादा पढ़े लिखे हैं आप बेहतर तरीके से केन्द्र तक अपनी बात रख सकते हैं। डॉ. ब्रम्हदेव शर्मा थे वे आयुक्त रहे, कलेक्टर रहे और वो जो टीप लिखते थे उसको केन्द्र सरकार चाहे किसकी भी हो उसको माना जाता था क्यों? आप भी कलेक्टर हैं आप क्यों टीप नहीं लिख रहें है कि यह ईआईए फर्जी यह और इस मुझे जनसुनवाई करवाना पड़ रहा है। क्या आपके बच्चों को नवीन जिंदल द्वारा किडनैप कर लिया गया है और किया गया है तो इस सार्वजनिक मंच पर बताईये हम आपकी परिवार वालों की सुरक्षा जान लगा के करेंगे। माननीय पीठासीन महोदया आप जनसुनवाई निरस्त करवाईये अन्यथा मैं नहीं यहां से हटूंगा। यहां माननीय अनुविभागीय अधिकारी हैं उनको लग रहा है मैं कानून के खिलाफ हूं तो मेरी गिरफ्तारी करवा लें कि मैं असंवैधानिक व्यक्ति हूं और कानून का परिपालन नहीं कर रहा हूं। अनुविभागीय अधिकारी महोदय को शक्ति है कि वो प्रशासनिक अधिकारी चाहे कलेक्टर हो या राष्ट्रपति को गिरफ्तारी करने के लिये आदेशित कर सकते हैं। जनसुनवाई कलेक्टोरेट मे एक महीने तक चलना चाहिये और अलग से पीठासीन अधिकारी नियुक्त हो क्योंकि पर्यावरण विभाग बस सील लगा के दे देता है। आदमी संविधान की बात कर रहा है और निराकरण नहीं हो पा रहा है हमें परेशान करने के लिये यहां बुलाया जाता है क्या? पुलिस अमला शांति व्यवस्था के लिये है मैं उनेस अनुरोध करता हूं संविधान के लिये अपराधियों को गिरफ्तार करें। इस

मंच में जो अधिकारी बैठे हैं अगर मेरे पास ताकत होता तो मैं इनको निकाल फेंकता इसका ताकत है जनता के पास आज सड़को पर लड़ाई करके अपनी जीत हासिल करेगी और छत्तीसगढ़ और भारत में संविधान और अधिसूचना का परिपालन नहीं हो रहा है उसमें लड़ाई जीतेगी। यहां की माताऐं चाहे तो जनसुनवाई निरस्त हो जायेगी इनको भी अपनी बच्चों की रक्षा करनी चाहिये अपने परिवार, समाज, गांव के रक्षा के लये प्रतिबद्ध हैं लेकिन जो कम पढ़े लिखे हैं उनको क्या पता ईआईए क्या होता है यहां और उद्योग लग सकता है या नहीं? मैं पीठसीन महोदय से अनुरोध करूंगा कि केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को टीप लिखकर जनता का एक पैनल, जनप्रतिनिधि, पत्रकारों का पैनल बनाकर एक स्वतंत्र पर्यावरण मूल्यांकन हो ताकि हम किस स्थिति में है और रेड जोन से कैस बचा जा सकता है। 15 साल से हमारे जीवन रक्षा के लिये जो उपाय नहीं हुये वो होना चाहिये वो हमारे जीवन जीने का अधिकार है। मैडम जी आप क्यों चूप हैं आप न्यायाधीश के पद पर हैं आप क्यों न्याय नहीं करना चाहते और जनता बोल दे कि संविधान और कानून विरोध बोल रहा हूं। मैं जानता आपके जैसे न्यायधीन उद्योग के लिये काम करते हैं मात्र पांच प्रतिशत उच्चतम और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ईमानदार हैं देश में सारे चोर और भ्रष्ट लोग 95 प्रतिशत बैठे हैं। मैं इन चोरों का सांकेतिक विरोध करता हूं। मैने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश का एवं उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों का पुतला दहन किया है ताकि देश की जनता अपने विकार को जाने क्योंकि उसके पास जो ताकत है वो राष्ट्रपति के पास नहीं है, प्रधानमंत्री और न्यायाधीश के पास नहीं है वो केवल वेतनभोगी है जिसको छत्तीसगढ़ में हम भुथिआर कहते हैं तो न्यायाधीश महोदया को जागना होगा आप में महाकाली, महादुर्गा, महासरस्वती का वास है हमारी रक्षा कीजिये हम आपको और आपके पूर्वजों को प्रणाम कर रहे हैं हम न्यायालय और न्यायाधीश के शरण में हैं हमारी रक्षा होनी चाहिये आपको यहीं मेरे माईक पर रहते ही निर्णय लेना होगा। अगर साथी आंदोलन के लिये तैयार हैं तो मैं अंतिम सांस तक अन्न त्याग कर अनशन करूंगा। अगर अपर कलेक्टर महोदया पर्यावरण की बात को नहीं समझ पा रहीं हैं तो क्षेत्रीय अधिकारी साहू सर से पूछ ले कि मैं क्या गलत बात बोल रहा हूं? नवीन जिंदल है फ्रॉड हत्यारा हैं सड़को पर लोगो की जान बीमारियों से ले रहा है। नवीन जिंदल करें मुझ पर मानहानि का दावा देखता हूं कौन से न्यायालय में ले जायेगा चोर, हरामी, गद्दार बोल रहा हूं इस देश की मिट्टी के, लोगो का, यहां के नागरिको का निर्णय करिये आप यहां इन्फोर्समेंट डिपार्टमेंट की आवश्यकता हैं जिंदल की ईडी की आवश्यकता नहीं हैं प्रवर्तन निदेशालय ऐसे अधिकारियों की जांच करे और ये सच बोल रहे या नहीं इनका पॉलिग्राम टेस्ट हो पता चल जायेगा कितना पैसा खाये हैं कितना कितना पैसा मिला है इस जनसुनवाई में और कितना पैसा इकट्ठा कर लिये है ये लोग। सब लोग शांति से सुन रहे हैं मैं सबका आभारी हूं कृतज्ञ हूं। पुलिस से निवेदन है ऐसे लोग निर्णय नहीं कर पा रहे है तो इन्हे हथकड़ी लगा के ले जाईये धोखाधड़ी और फर्जी रिपोर्ट बनाने और उसके प्रचलन के अपराध में इनकी गिरफ्तारी होनी चाहिये ये जेल में होने चाहिये तब इनका समझ आयेगा। मैडम बोलिये आप चूप क्यो हैं आपको निर्णय देना है आप

गलत हैं या मैं गलत हूं। महोदया एक छोटे से निर्णय के लिये आपको सोचना पड़ रहा है क्यों? जिंदल के भाई मेरे घर तक गये थे कि आपको जो पैकेज मिलता है उसके अनुसार हम इनके भाई हैं बन्धु हैं लेकिन मैं भिक्षुक हूं 27 साल से मैं काम नहीं कर रहा लेकिन मेरा कोई काम नहीं रूका लेकिन इस जनता के सहयोग से मैं जिन्दा हूं। मैं जो बोल रहा हूं अपनी बुद्धि से नहीं बोल रहा यहीं मेरे गुरू है इनसे सिख रहा हूं आप भी मेरे गुरू हैं ऐसा काम कीजिये आपके नाम का 108 बार माला जपूंगा। जनता बताये मैं गलत हूं तो मैं हट जाउंगा और जो साथ हैं वों बताये कि मुझे कितना टाईम तक बोलना चाहिये। मैं इस 62 साल के बुढ़ापे के उम्र में 10 दिन 10 रात तक खड़ा रहूंगा बिना अन्न ग्रहण किये। 25 दिन तक अनशन किया हूं। या तो मेरी जान रहेगी या ये अवैधानिक जनसुनवाई बिना निरस्त करवाये यहां से वापस नहीं जाउंगा। आज मैं अपने पूर्वज, छत्तीसगढ़, भारत भूमि और संविधान का शपथ लेकर आया हूं। शायद मेरे मरने के बाद जागृति आयेगी और मेरे समाधि का आवाज जनता तक पहुंचेगा शायद मैं जिंदा रहकर लड़ाई नहीं लड़ पा रहा हूं तब शायद जागृति आयेगी खरसिया विधानसभा क्षेत्र में जागृति आ गई है पर यहां के नेताओ का प्रशासनिक अधिकारियों और दलालों का भ्रम टूट गया है। महोदया क्या बोल रहें हैं? मैं सबके सामने दण्डवत प्रणाम करूंगा यदि आप बोले तों साथ में रक्षा तो करें। जनसुनवाई की प्रकिया में इतने परिवर्तन एवं संशोधन की आवश्यकता है यह गंभी मुद्दा पूरे देश में जो पर्यावरण का संकट बना हुआ है। आज फिर से इस देश में आज कोरोना का प्रकोप आया है इतना भीड़ कौन इकाट्ठा किया है। महामारी अधिनियम क्या है? क्या महामारी अधिनियम का उल्लंघन करने का अधिकार मैडम रानू साहू को है या पीठासीन अधिकारी महोदय को है। अगर एक आदमी उल्लंघन करे तो आप तत्काल गिरफ्तार करवा देंगे आप इतना भीड़ लगाये हैं यहां देश के समाचार पत्रों में आप नही देख रहे हैं कोरोना का नया वेरिऐंट आ चुका है छत्तीसगढ़ और रायगढ़ जिला भी प्रभावित है। महामारी नियम का आप उल्लंघन कर रहें यहां आप दोषी है आप राष्ट्रद्रोही हैं। ऐसे अधिकारी हमारे जीवन से खिलवार्ड कर रहें हैं वो बर्दास्त नहीं किया जायेगा। हम इस लोकतंत्र में संवैधनिक अधिकारों के लिये यहां पर हम गांधीवादी तरीके से लड़ाई लड़ेगें। हमारे साथी बाहुबली हैं तो ऐसे पंडाल को उखाड़ देना चाहिये। मैं भड़का रहा हूं चलिये अपराध पंजीबद्ध करवाईये। अगर कानून का परिपालन का यहां प्रशासनिक अमला नहीं कर रहा है तो युवा कैसे करेंगें बॉर्डर में जाकर रक्षा करेंगे यहां भी करना होगा। मैं गांधीवादी हूं अहिंसात्मक आंदोलन करूंगा मैने अपने 27 साल के सार्वजनिक जीवन में अपराध नहीं किया हूं फिर भी मैं सजा काटता हूं सरकार के ब्लैक लिस्ट में हूं क्यों कि नवीन जिंदल जैसे चोर, हरामी, देशद्रोही, हत्यारा आदमी मेरे जैसे आदमी को अंदर करवाता है। या तो जनसुनवाई निरस्त हो या मेरा गिरफ्तारी हो मेरे साथी यहां जंग लडेंगे और जेल से अनशन करूंगा। मुझे देश के किसी भी जेल मे रहना पड़े मैं अन्न ग्रहण नहीं करूंगा ये मेरा शपथ है। आप दण्डाधिकारी के पद पर क्यों त्यागपत्र दीजिये घर जाईये और ब्युटीपार्लर खोलिये। संविधान के साथ ऐसा मजाक मत कीजिये। आप महिला है आप हमारे बहन, बेटी और माता हैं। आप डिफाईन कर दीजिये पीठासीन अधिकारी मतलब

जनसुनवाई को विधिसम्मत कानूनी तरीके से संविधानसम्मति से करवाना। किस अधिकार से आप मेरा समय 05 मिनट निर्धारित कर रहीं हैं मैं तो मुद्दे पर ही बात कर रहा हूं। मैं न्याय पाने का अधिकारी हूं। आप पाईंट नोट करेंगे डाकिया नहीं है आप जिला दण्डाधिकारी हैं। आप कलेक्टर की कुर्सी पर बैठे हैं आप कुछ नहीं कर सकते बोल रही हैं। आप निर्णय नहीं ले पा रही हैं कलेक्टर मैडम से बात कीजिये। मैं साथियों से आग्रह करूंगा बैरिकेट के पास ही धरना स्थल बनाकर धरना देंगे। आप उड़ीसा, महाराष्ट्र जाईये तीन चार दिन तक जनसुनवाई होती है एक आदमी बारह बारह घंटे बोलता है जो विद्वान है वो लोग कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। उड़ीसा, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश वाले मूर्ख हैं आप होशियार है? आप ईमानदार पुलिस से मुझे हटवाईये फिर मै धरने में जाकर बैठूंगा। साथियों हमारे द्वारा चुने जनप्रतिनिधियों को बुलाये और बताये कि हमारे साथ कैसा अत्याचार हो रहा है। सांसद, विधायक, जिला पंचायत, ग्राम पंचायत जन प्रतिनिधि को बुलायें। माननीय पीठासीन महोदया जनसुनवाई में जनमत संविधान परिपालन के लिये प्रतिबद्ध है आर पार के लड़ाई के लिये तैयार हैं। आपका नाम भी भारत और छत्तीसगढ़ के लोग जानेंगे कि कैसे एक आईएएस अपने बल का दुरूपयोग करता हैं और प्रशासनिक अमला का कैसे दुरूपयोग करता है और कैस नागरिकों के समय को बरबाद करता है ये भी इतिहास बनेगा ये भी दर्ज होगा। अगर एक महिला या पुरूष भी लड़ेंगें तो वो जीत के जायेंगे ये वचन है मेरा क्योंकि बलिदानी हमेशा बलिदान करता है यहां बहुत से बलिदानी हैं। मुझे किस अधिकार से आप बोलने से वंछित कर रहीं हैं और आप किस अधिकार से निर्णय नहीं कर पा रहीं हैं? आप कानून के प्रावधान और अनुच्छेद बता दीजिये? रिकॉर्ड तो करना है वो आपका ड्युटी है अपने कर्तव्य का बात करें आप। आगे स्टार्ट करना है तो मुझे गिरफ्तार करवा के करें। संविधान के पालन करते हुये अहिंसात्मक आंदोलन मैं यहीं कर रहा हूं। मौखित रूप से भी आवेदन लेने के अधिकार न्यायिक पद के व्यक्तियो को है। प्रशासनिक अमला को बुद्धि आये और जनसुनवाई को निरस्त करें। जय छत्तीसगढ़ जय हिन्द जय।

257. योगेन्द्र पटेल, कलमी– जिंदल का सीमेंट प्लांट पहले से लगा है, जितना जमीन जिसको देना था दे चुके हैं विरोध करने का कोई मतलब नहीं है। कोसपाली में प्लांट लगा हैं वे लोग सहयोग कर रहे हैं हमे विरोध करके क्या मिलेगा। मैं जिंदल का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

258. – कलमी में जितना जमीन गया है उनका पैसा दिया है लेकिन हमें जिंदल द्वार कुछ नहीं मिला है। जनसुनवाई के माध्यम से जिंदल से कह रहा हूं जिनका जमीन गया है उनको पैसा और नौकारी पाने का अधिकर हैं। जिंदल का विकास हो। जिनका सारा जमीन जिंदल में चला गया है वो लोग को जिंदल में नौकरी मिले। रोजगार नहीं होने से बहुत दिक्कत में हैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि उसके आगे बढ़ने से हम और देश आगे बढ़ेगा केवल उसके आगे बढ़ने से हमारा विकास नहीं होगा। जिंदल का समर्थन है।

259. कल्याण– प्लांट के द्वारा लोगों का काम दिया जाता है लेकिन हमको आज तक किसी को काम नहीं दिया गया है। हमारा जमीन गया है लेकिन हमको कुछ नहीं मिला। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

260. भगवती– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

261. माधुरी भट्ट कोसपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

262. रंभा– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

263. नानकून सिदार, कोसपाली– जिंदल से मुझे आज तक कुछ नहीं मिला है। मेरा पति जिंदल में ही खत्म हो गया है। मेरे छोटे–छोटे बच्चे हैं।

264. अनसुईया यादव, कोसमपाली– मैं कोटवार हूं। जिंदल से मुझे नही मिला न प्रशासन जमीन जायदाद नहीं मिला है।

265. बसंती निषाद, कोसमपाली– मेरे पति नहीं हैं मेरे दो बच्चें हैं मुझे काम चाहिये जिंदल के तरफ से। हम लोग जमीन दिये हैं मेरे बच्चे बड़े होकर जिंदल में काम करें।

266. हमारे गांव के तरफ मैं निवेदन करूंगा। प्रदूषण में ध्यान दें हमारे बच्चों को कंपनी कर्मचारी रखे, आस–पास के गांवा वालों बालकों को नौकरी चाहीये। आप अधिकारी नहीं दिलायेंगे तो कौन दिलायेगा। गोदनामा लेने का मतलब क्या है, इसको बंद करो नहीं चाहीये। जिंदल कर्मचारी को बुलाईये और मुझे बात कराईये।

267. शेखर पटेल, धनांगर– जिंदल ने जो रिपोर्ट बनाई है उसमें गैस पॉल्युशन बताया गया है कि क्या वो पब्लिक के सामने किया गया है? तो क्या यहां डिस्प्ले लाकर दिखा सकते हैं कि पॉल्युशन का लेवल वहीं है जो उन्होने दिखाया है। पॉल्युशन का मानक डब्ल्यु.एच.ओ. से आगे निकल गया है। यहां पर इस तरह के पॉल्युटेंट इण्डस्ट्री नहीं लगनी चाहिये। जिंदल के द्वारा बेरोजगारों के लिये कोई ट्रेनिंग इंस्टीट्युट नहीं बनाया गया है जिससे उन्हे नौकरी मिल सके लेकिन जिंदल ये नहीं करते कि ताकि वो जरूरत हो तो किसी को भी बुला के काम करवा सकें बेरोजगार लोग यहीं करेंगे न। जिस मीटर द्वारा पर्यावरण विभाग मापन कार्य किया गया है वो यहां पर लगावाया जाये मैं बता रहा हूं जो डेटा पूरी तरह से गलत है। संविधान हमें जीने की इजाजत देती है लेकिन पाल्युशन बड़ी चीज हैं। लेकिन कुछ भी डेटा दे दिया जा रहा है। इसी 10 कि.मी. में बरमुड़ा नगर निगम के अंतर्गत आता है। 10 कि.मी के रेडियस में कही भी चेक करें उनका मापन रिपोर्ट गलत आयेगा। कानून के हिसाब से यह गलत है कि पर्यावरण विभाग अनुमति दे देता है कि यह आप प्लांट लगाये करके। जिंदल का धोखाधड़ी किसी से छूपा नहीं वो किसी भी व्यक्ति को मजदूरी का कार्य देता है। जिंदल का विरोध करता हूं वो मीटर जिससे मापन हुआ है उसे आम पब्लिक जान सके कि उन्होने क्या किया है? जितने दमा व अस्थमा के मरीज बढ़ रहे हैं रायगढ़ जिले में जब प्रदूषण के कारण है। प्रदूषण का सब डेटा गलत दिया जा रहा है। पीएम 2.5 एवं 10 लेवज जनता को बताया जाये, क्या है एस.ओ.टू. का लेवल। जिंदल का विरोध है। धन्यवाद।

268. हेमलाल सिदार,सराईपाली– नगर निगम में जुड़ा हूं। मेरा तीन गांव गोरखा, सराईपाली और कलमी में जमीन था। 18 एकड़ के मालिक थे अपनी मर्जी से जमीन दिये हैं। मेरे गांव के सभी नवयुवक को नौकरी मिलना चाहिये। धन्यवाद।

269. राकेश पटेल; चिराईपानी– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

270. राजकिशोर, किरोड़ीमलनगर–जनसुनवाई के समर्थन में बोल रहा हूं। रायगढ़ जिले में लगभग 80–100 छोटे एवं बड़े उद्योग है और जिंदल एक बड़ी कंपनी है देश में नंबर 02 की कंपनी हैं जिंदल जो पर्यावरण के बारे में ध्यान देती है। मेरे पिता जी हो या कोई हो जो यहां उपस्थित सभी हैं उनका अपना सम्मान है, आप विरोध करें लेकिन निजी टिप्पणी न करें कि हरामी है आदि जनसुनवाई हो या न हो, पास हो या फेल उसका दिक्कत नहीं हैं निजी टिप्पणी न करें। जब यहां 11 रूपये रोजी मिलता है तब से यहां पर काम कर रहा हूं 1995 से यहां पर यहां आज बिहारी, हरियाणी है बोल रहे हैं जब हम विदेश में जाकर रहते है तो पांच साल में नागरिकता मिल जाती है और आप भेदभाव में अटके हैं ये बाते मन से निकाल दीहिये हम सब भाई है। किरोड़ीमल में देखें तो मैने एसडीएम साहब को बताया भी था वहां अगर प्रदूषण है तो वहां के जनप्रतिनिधि और लोगों को ज्यादा दोष मैं मानता हूं और जिंदल का कम। नगर पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष फ्लाई ऐश डम्प कर रहे हैं सस्ती जमीन लेकर उससे डस्ट घरों में फैल रहा है जिंदल का कोई दोष नहीं है। अगर जिंदल उन्हे डस्ट नहीं देगा तो जनप्रतिनिधि गेट पर धरना देंगे कि हमें डस्ट चाहिये और फिर जमीन पर डस्ट पाटेंगे। मैं वहां का नागरिक हूं कंपनी को एकतरफा दोष दूं तो गलत होगा। अभी कोरोना टाईम में कोसमपाली, किरोड़ीमलनगर, सराईपाली एवं आस पाास के अन्य गांव में सरकार ने चावल दिया पर सब्जी के लिये पैसा जिंदल ने दिया आपको रोजगार दिया। कोई प्लांट सीमित हो जाता है तो वहां रोजगार का अवसर नहीं बनता प्लांट का विस्तार होगा तभी वहां रोजगार के अवसर बनेगा चाहे ठेकेदारी, कंपनी वर्कर या हाउस कीपिंग के रूप में रोजगार बढ़े। पर्यावरण से संबंधित समस्या के लिये जिंदल को आदमी फोन करते हैं तो निवारण होता है चाहे सड़क पर जल छिड़काव भी कराना हो तो। खेल में भी जिंदल ने मदद किया है चाहे पानी टैंकर हो या खेदकूद का सामान हो, कोई भी नवजवान बोल दे कि जिंदल ने मदद नहीं किया है करके। कोरोना में सभी गरीब, असहाय और निशक्त लोगों के लिये शासन ने राशन दिया और जिंदल ने भी दिया। जिंदल ने मेडिकल सुविधा भी दिया। एक चीज का अपील मै भी करूंगा कि जिंदल स्कूल में फीस काफी ज्यादा है। वहां भेदभाव चलता है उसके चलते एडमीशन नहीं होता है। जिंदल सीएसआर मद से एक और स्कूल बनाये जिसमें 5000 से 10000 लोग मिनिमम फीस पर बच्चों को पढ़ाये, गांव में और शहर में भी गरीब लोग रहते हैं उनके बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था जिंदल प्रबंधन करें। जैसे यहां गार्ड की भर्ती होती है वैसे ही बड़े पदों पर ऑनलाईन से होनी चाहिये जिसमें स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता देनी चाहिये, कम से कम 60–70 प्रतिशत भर्ती लोकल लोगों का होना चाहिये, न कि दिल्ली मुंम्बई से भती होनी चाहिये यहां से भी भर्ती जिंदल प्रबंधन को करनी चाहिये। मैने सुझाव दिया

है किसी को गलत लगे तो विरोध करें लेकिन हर बात का विरोध करना तो गलत है, विरोध करे लेकिन तर्कसंगल हल्ला करके कुछ नहीं मिलेगा, कंपनी के विस्तार तो होना ही है और विस्तार होगा तो इन्ही में से लोग जाके ठेकेदारी के लिये लाईन लगा लेंगे, हम नेता के आदमी हैं हमको ठेकेदारी दो इसलिये किसी के बहकावे मे आकर इतनी बड़ी कंपनी का विरोध करना बेवकूफी है इसलिय में कंपनी के विस्तार का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

271. श्याम सुदंरराम, खैरपुर –जब से जिंदल यहां पर आया तो शिक्षा के, मेडिकल के क्षेत्र में जिंदल ने अग्रणी भूमिका निभाई है। कोई विरोध करे या समर्थन लेकिन मेरा मानना है जिंदल ने लोगों का भरपूर सहयोग क़रके आगे बढ़ाया है। बच्चों के लियें स्कूल बनाया है, मेडिकल वैन घुमाया है, आंगनबाड़ी तक उन्होने ने बनवाया हैं। जो स्कूल सरकार ने नहीं बनाया वो स्कूल जिंदल ने बनाया है। अच्छे अच्छे स्टेडियम बनोय और एकताल जैसे गांव को बहुत बढ़िया बनाया है जो घुमने लायक है। हम जिंदल का समर्थन करते हैं जिंदल आगे बढ़ेगा तो क्षेत्र में विकास की गंगा बहेगी। धन्यवाद।

272. शिवचरण चौहान, पंडरीपानी– मैं जिंदल में 15 साल से काम रहा हूं। संजू चौहान भगवान आदमी है जमीन लिया तो सबको बुला बुलाकर मुआवजा दिया, नौकरी दिया। हर दो महीने में सेक्युरिटी का भर्ती होता है। सभी बच्चों को शिक्षा मिल रहा है, जिंदल 26 गांव को गोद लिया है वहां वैन घुमाता है और निगरानी में रखा है। बाढ़ आया है तो खाना और कंबल पहुंचाया है नवीन जिंदल ने और देखों आज जहां इस जगह पर खड़े नहीं हो पाते उसको कितना अच्छा बना दिया है। जो जाता है सबको नौकरी देता है जो नौकरी करने लायक नहीं है उनको भी देता है। थोड़ा सा प्रदूषण है तो सहन करना पड़ेगा। जिसने नवीन जिंदल को चोर बाले रहें है फ्रॉड बोल रहा है वह गलत है किस माध्यम से उसने बोला बतलाईये मेरे को? जो ऐसा बोला नवीन जिंदल के बारे में वो बेहार आदमी है मैं बोलता हूं। जय छत्तीसगढ़। जय जिंदल।

273. शनथ नायक, गेजामुड़ा– प्रस्तावित उद्योग स्थल के 10 कि.मी. की परिधी में 100 से अधिक गांव आते हैं वहां की खेती, पशुपालन प्रभावित होगी ईआईए के आधार पर मैं ये आपत्ति करता हूं। दूसरी आपत्ति ये है कि प्रस्तावित इकाई में भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता होगी जो जमीन से पानी निकाला जायेगा पानी जमीन से निकाला जायेगा तो खेती के लिये पानी नहीं बचेगा। ईआईए के अनुसार 136 टन धूल प्रतिघंटे निकलने का उल्लेख है साल में लगभग 12000 टन धूल चिमनी से निकलकर आस पास के क्षेत्र में फैलेगा तो रिहायसी और कृषि क्षेत्र में क्या स्थिति बनेगी? प्रस्तावित इकाई में 02 एकड़ भूमि वन विभाग की है इसके बारे में ईआईए में कुछ नहीं लिखा है तो इसका मै आपत्ति करता हूं। 3000 से अधिक लोगों को नौकरी देने की बात कही है ईआईए में तो यहां उनकी रहने की व्यवस्था, उनके बच्चों की पढ़ाई और अस्पताल की व्यवस्था कैसे होगा? कारखाने के लिये 40 लाख टन चूना पत्थर मस्तूरी से आयेगा रोड से लाया जायेगा ये ईआईए में है इतना चूना सड़क से आने में सड़क की क्या स्थिति होगी ये कल्पान करना मुश्किल है। ईआईए के अनुसार 4.50 लाख टन कोयल कोरबा से लाया जायेगा और 2.50 पेट कोक भी

उपयोग किया जायेगा तो सड़क की क्या स्थिति होगी? प्लांट विस्तार से कुछ लोग का फायदा है पर पहले से प्रदूषण झेल रहे आस पास के लोगों की स्थिति बिगड़ जायेगी मैडम। ईआईए रिपोर्ट के अनुसार ट्रकों के पार्किंग लिये केवल साढ़े तीन एकड़ जगह रखी गई है यह जगह पार्किंग के लिये कम पड़ेगा तो मै। इस ईआईए रिपोर्ट का विरोध करता हूं। पेट कोक में साढ़े चार प्रतिशत सल्फर होने का अनुमान है ये ईआईए में लिखा है जिससे इस क्षेत्र में ऐसिडिक रेन का खतरा बढ़ जायेगा मैडम। ईआईए जो यह उसे आम आदमी पढ़ नहीं सकता तो इस सार्वजनिक किया जाये। ईआईए सभी पंचायतों को भी नहीं मिल पाया है किसी भी आम जनता को इसके बोर में मालूम ही नहीं है। यह जमीन जिंदल ने बहुत पहले 2003 से खरीद रखा है और अब तक उस पर कुछ नही बनाया है तो कानून के हिसाब से उसे जमीन वापस करना होगा। मैं इस प्लांट के विस्तार का विरोध करता हूं।

274. लच्छीराम, सराईपाली – मेरे गांव प्लांट के अंदर था जिसे बाहर बैठाया गया है उसके एवज में नौकरी देना था मरे पांच बच्चे हैं और मेरा उम्र आप देख रहे हैं। मुझे नौकरी 2006 में दिये और 2018 में उम्र के वजह से बैठा दिया पर क्य मेरे बदले मेरे बेटे को नौकरी नहीं दे सकता इतना बड़ा कंपनी उनके पास जाके गिड़गिड़ाया लेकिन कोई नहीं कलेक्टर के पास भी गया था पर कोई नहीं सुना मेरा क्या कुछ सुनवाई होगा? तो मेरे बदले मेरे बेटे को नौकरी मिलना चाहिये कि नहीं? जिंदल को हम हटा नहीं सकते लेकिन वो हमें नौकरी दे। मेरे इतना वेतन न दे मेरे बेटे को पर जो रेट आज है उसमें भर्ती लेकर मेरे बेटे को नौकरी दे ताकि मेरा घर चले। हो जायेगा न मैडम? आप कर पायेंगे तो बोलिये मैं हल्ला क्यों करूंगा, आप जिला के मालिक हैं।

275. पप्पू चौहान – मेरा घर 02 कि.मी. के अंदर हैं मैने अपना सारा जमीन जिंदल में दे दिया। जिंदल ने नौकरी के लिये बोला तो मैने मना कर दिया क्यों कि जमीन के पैसे को मुझे घुमकर खाना है। जिंदल के कोयले से हम चावल बना कर खा रहे हैं और पव्वा भी पी रहे हैं। नवीन जी के बाबू जी हमारे जमीन को लेकर हमारा सेवा कर रहे है तो हम क्यों विरोध करें? जिंदल में काम करके बच्चों का पढ़ाकर नौकरी करवायें योग्यतानुसार। अच्छा से भरण पोषण करो बच्चों का हिस्ट पुस्ट बनोय क्यों उसे गार्ड का नौकरी नही मिलेगा? पढ़े लिखे रहेंगे तब तो नौकरी मिलेगा। जिंदल में काम करके बच्चों का पढ़ा पायेंगे। जिंदल के आने से सबके पास कार और बाईक है। जिंदल में जमीन देकर बाईक खरीदे हैं सब। हमारे बच्चे पढ़ने जाते हैं तो यहां पास में पेट्रोल पंप है जिसमें शौचालय नहीं है तो बच्चें को परेशानी होता है वहां शौचालय की आवश्यकता है। पानी बरसात में वहां बस में चढ़ने पर परेशानी होती है आपसे निवेदन है कि वहां एक प्रतीक्षालय बनायें। सब मेहनत करो और सब कमाओं। शौचालय और नौकरी की समस्या का समाधान करें। जय छत्तीसगढ़।

276. सितिया बरेठ, कोसमपाली – मेरे दो देवर को नौकरी का जरूरत है। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

277. चैनसिंह, रायगढ़ – 1988 में प्लांट का स्थापना हुआ तब रायगढ़ का नक्शा क्या था, और अब क्या है, इसको करने वाले अपने ज्ञान में ले लीजिये। हमारी डिप्टी कलेक्टर एक नारी हैं उनको ब्युटीपार्लर खोल लो कहना शर्म की बात है वो हमरी माता, बेटी हैं। विरोध करें आप लेकिन तर्क के साथ छिछोरापन के साथ नहीं। आप पर्यावरण के बारे में बोले विरोध करें हम सहमत हैं हमारे माता बहन के आजिविका का साधन देते हैं, रोजी रोटी देते हैं जिंदल जी, उस समय आपका आंख नहीं दिखता जब गरीबो को स्वास्थ्य, शिक्षा देते है। आपके पास योग्यता होना चाहिये तभी नौकरी देगा जिंदल क्यों कि वह प्राईवेट लिमिटेड कंपनी है। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता है, जिनका गांव प्रभावित है वो विरोध नहीं कर रहे है, बाहर से आकर छिछोरे लोग विरोध कर रहे है, शर्म आना चाहिये नवीन जिंदल के बारे में ऐसा बोलते हुये। जिंदल का पहचान रायगढ़ से है या रायगढ़ का जिंदल से पहचान? सोचिये न आप। जिंदल की वजह से रायगढ़ जाना जाता है। 15 साल से बीजेपी की सरकार थी हजारों लोगों का रोजगार का बात बोलकर किसी को रोजगार नहीं दिया, नवीन जी ने सबको रोजगार दिया, उन्होने घर उजड़ने से बचाया और भूखे को खाना खिलाया। कोरोनाकाल में जिंदल को लोगों को सब सुविधा दिया। ओपी फोर्टिज अस्पताल में आस पास के जिले के लोगों को नया जीवन मिलता है। यहां नवीन जिंदल जी ने अच्छा इंग्लिस मीडियम स्कूल खोला हमारे सरकार ने स्वामी आत्मनंद स्कूल खोला आप उसकी बात नहीं करते, लोगों के हित और कल्याण के बारे में जो सोचता हैं वो केवल नवीन जिंदल है, सुख–दुख में साथ देता है और गरीबों के आंसु पोंछता हैं, गरीबों के बेटियों के शादी के लिये पैसा देता है उस समय आप कहां रहते हो? असंवैधानिक भाषा का प्रयोग मत कीजिये, संवैधानिक भाषा का प्रयोग कीजिये, आपको समझदारी से काम लेना चाहिये कि विरोध का भाषा कैसा होता है? जो असंवैधनिक बात करता मैं उसका विरोध करता हूं। आप जिंदल साहब को पर्यावरण के बारे में बोलो न वो समझदार हैं वो दिल्ली और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत व्यक्ति हैं। रायगढ़ जिले को गोद लिया है आप उसकी अच्छाई को भूल गये। मै मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं। सीमेंट प्लांट विस्तार हेतु यह जनसुनवाई आज कोसमपाली में प्रस्तावित था वह स्टील प्लांट है जो आस पास के गांव के प्रति समाजिक उत्तरदायित्व के तहत् अधोसंरचना, शैक्षणिक हेतु सराहनीय कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण के संरक्षण संवर्धन हेतु कंपनी को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरूस्कृत किया गया है एवं कंपनी द्वारा आश्वासन दिया गया है भविष्य में समाज एवं गरीबों के उत्थान के लिये, लोगो के स्वास्थ्य, बिजली, सड़क, ईलाज, हेल्प के लिये जिंदल ग्रुप हमेशा खड़ा है ये सब आप विरोध करने वालों को दिखता नहीं? विरोध करने वालों को लेकर आया गया है विरोध करने के लिये उनको शर्म करना चाहिये। गरीब की मदद उपरवाला कर रहा है तुम्हारे बोलने से कुछ नहीं होता। जिंदल के हॉस्पिटल में सैकड़ों लोगों का जाना बचाया मैने जिंदल प्रबंधन मदद करने वाले हैं, किसी भी प्रकार का मदद करने में ओग रहते हैं। 1998 में उन्होने मेरे ईलाके में गरीबों के लिये 50 मकान बनवाये हैं ओपी जिंदल की स्मृति में। मैं विधि सम्मति बात करता हूं मैं

गरीबो के लिये काम करता हूं पैसा नही लेता उनसे। उनके लिये पैरवी करता हूं सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक। मैं रिक्शा चला के यहां तक आया सकता हूं आप काम करिये न। बीजेपी बोलता था सबके साथ सबका विकास क्या विकास किये? अडानी का कंपनी होता तो विरोध नहीं होता नवीन साहब का कंपनी है इसलिये विरोध कर रहे हो शर्म आना चाहिये। यहां के लोगो का पालन पोषण किया है और काम दिया है। ओपी जिंदल के द्वारा जो काम हुआ है वो सराहनीय है। रायगढ़, कोरबा, सारंगढ़, शक्ति, जांजगीर, पत्थलगांव, धरमजयगढ़, खरसिया, लैलूंगा, तमनार, घरघोड़ा, किरोड़ीमलनगर, पुसौर और 10 गांवो को शिक्षा, स्वास्थ्य और पानी के लिये दिया है। सीएसआर द्वारा बेटी और युवाओं के लिये दिशा दशा को सुधारे हैं इतनी बड़ी उपलब्धि को आप सेरआम द्रौपदी के तरह चीरहरण कर रहे हैं, संसदीय भाषा का प्रयोग करें जिससे आपके उपर लांछन न लगे। धन्यवाद। जय छत्तीसगढ़ जय जिंदल।

278. राहुल ठाकुर, किरोड़ीमल – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं। जिंदल द्वारा रायगढ़ में विश्व स्तर की सुविधाऐं दी गई है इसलिये मैं जिंदल का समर्थन करता हूं।

279. अश्विनी शर्मा, रायगढ़– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

280. जयप्रकाश सारथी, भूपदेवपुर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं। जिंदल के आने से बेरोजगारों को रोजगार मिला है।

281. भोजकुमार पटेल, कोतरा– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

282. कृतिराम पटेल, मुरा – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

283. भरतराम साव, रायगढ़– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

284. प्रभाकर पटेल, धनांगर– ये जो प्रस्तावित परियोजना है चार गांव धनांगर, कोसपाली, सराईपाली और बरमुड़ा में स्थापित हो रहा है। मेरा 75 डिसमिल जमीन जा रहा है जिसकी जानकारी मुझे नहीं थी ईआईए से पता चला। धनांगर की लगभग 200 एकड़ जमीन जिंदल प्रबंधन द्वारा अल्प मूल्य में क्रय किया गया है। जिंदल द्वारा 20 हजार प्रति एकड़ लिया गया है था और 2011 में 9 लाख प्रति एकड़ लिया गया है लेकिन उस जमीन पर जिंदल द्वारा उद्योग स्थापना नहीं किया गया है और कृषि भूमि को अपने कब्जे में रखा गया है वर्ष 2016 में एनएच 200 के निर्माण के समय उसी जमीन का जिंदल को 90 लाख प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा मिल गया है ये किसानों के साथ अन्याय है और प्रस्तावित स्थल में अन्य 18 एवं 19 खसरा के भूमि को शामिल किया गया है किन्तु भूमि मालिक किसानो को यह पता नहीं है न उनसे बात करके क्रय किया गया है। भूअर्जन नियम के अनुसार 05 साल तक उद्योग स्थापना नहीं होने के स्थिति में जमीन किसानो को वापस कर देना चाहिये लेकिन 25–30 साल से वो जमीन जिंदल प्रबंधन के कब्जे में है उन पर ही उद्योग स्थापना हो अन्य जमीन पर नहीं। परियोजना स्थल मेरे खेत के पास ही है तो मैं अभी वहीं से आ रहा हूं तो मुझे जो पता चला है कि जिस प्लांट के स्वीकृति के लिये आवेदन किये है वो काम 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है स्वीकृति मिली नहीं है फिर भी, आप साईट निरीक्षण कर लीजिये। ईआईए में

लिखा है परियोजना स्थल में 800 पेड़ हैं जिसमें से 300 पेड़ को दूसरे जगह उगाया जायेगा और बाकी प्लांटेशन करना था पर वहां 95 प्रतिशत पेड़ों को काटा जा चुका है और अभी उस पर समतलीकरण का कार्य किया जा रहा है और सारे पेड़ो को दबा दिया जा रहा है, आप चाहे तो स्थल निरीक्षण कर सकते हैं इससे पता चलता है कि प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरण प्रभारी है पर्यावरण के प्रति कितने सजग हैं। पूर्व से स्थापित सीमेंट ब्रिक प्लांट का पानी 25–30 एकड़ खेतो में जाता है जो दलदल बन चुका है हमें खेती करने में दिक्कत होता है और लागत मूल्य बढ़ जाता है हार्वेस्टर उसमें चलता नहीं है और हाथ से कटाई करना पड़ता है और इसके लिये मैं सीमेंट प्लांट और लाईजनिंग डिपार्टमेंट सब जगह आवेदन ले के गया मुझे पावती भी नहीं दिया गया न कोई मुआवजा दिया गया तो किसान पेरशान हैं। धनागर के युवा हैं जिनका जमीन गया है लेकिन केवल 8–10 लोग को रोजगार दिया गया है बाकी लोगों को नहीं दिया गया है। उद्योग स्थापना करना है तो उसी 200 एकड़ जमीन में करें और नये जमीन पर करना है तो 200 एकड़ जमीन हमें वापस कर दिया जाये तो मैं जिंदल के विरोध में हूँ। धन्यवाद।

285. अमरदास महंत, कोसमपाली – इंसान का परिचय पांच प्रकार से होता है नाम, काम, जुबान, सुबह और समय से पहले और भाग्ये से ज्यादा इंसान को नहीं मिलता। हम किसान के बेटे है जब तक फसल नहीं लगायेंगे तब तक फसल काटने की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। जब दूसरों को सम्मान नहीं करते उन्हे स्वयं सम्मान पाने का उम्मीद नहीं करना चाहिये। स्वस्थ्य शरीर है तो जहान है। घर घर में तिरंगा फैलाने वाला नवीन जिंदल बाबू है। हमारे गांव के बेरोजगार लड़कों को योग्यतानुार रोजगार मिलना चाहिये। हमें पढ़ना चाहिये फिर जिंदल में नौकरी के लिये जाना चाहिये। जिंदल कहता है पढ़ो लिखो और आगे बढ़ो हमारे गांव के लड़को नौकरी दे यहीं गुहार करता हूं। जय छत्तीसगढ़।

286. संतुराम चौहान, किरोड़ीमलगन – मेरे जमीन को जिंदल लिया है 28 साल हो गया और बोला नौकरी दूंगा लेकिन नहीं दिया है मेरे बेटे को भी नौकरी नहीं दिया है।

287. संपत चौहान – जिंदल को बसे हुये बहुत दिन हो चुके है 1988 से बसा है। लोग अपनी सुविधा अनुसार समर्थन और विरोध कर रहे है। प्लांट का विस्तार उसके विधिवत मापदंड और कागजात के अनुसार होना चाहिये मैं इसलिये विरोध करता हूँ क्योंकि कानूनी तरीके से नहीं किया है। कोसमपाली से 10 कि.मी. में 50 से भी ज्यादा प्रभावित ग्राम है और भारी मात्रा में बेरोजगार है। आज भी यहां के 90 प्रतिशत स्थानीय और युवा बेरोजगार है। जिंदल का यहां स्टील, पॉवर प्लांट और सीमेंट प्लांट है फिर भी यहां के युवा बेरोजगार है तो इसका जिम्मेंदार जिंदल प्लांट है। गर्मी मौसम में यहा का पानी बहुत नीचे चले जाता है इसका जिम्मेंदार जिंदल प्लांट है। जल का दोहन इस प्रकार हो गया है कि किसान मजबूर होकर अपनी जमीन जिंदल को दे रही है क्यों कि सीमेंट और स्लैग, हवा या पानी द्वारा यहां के खेतों को नुकसान पहुंचा रही हैं यहा के उपजाऊपन को भी खत्म कर दे रही है। जिंदल द्वारा लिये गये जमीन के अलावा जो जमीन है जिसमें किसान कृषि कर रहे हैं उसकी उपजाऊपन को बनाये रखने के लिये जिंदल कुछ न कुछ उपाय

बनाये। जिंदल के आने के बाद विकास हुआ है लेकिन विकास भी किस मापदण्ड के अनुसार हुआ है वो भी जानना जरूरी है। जितने लोग है यहां बता दें कि कोई भी सामान्य आदमी अपने बच्चे को जिंदल स्कूल में पढ़ाने में सक्षम है? जिसका जमीन गया है वो अपने बच्चों को जिस दिन जिंदल स्कूल में पढ़ा पायेगा तब मैं मानूंगा कि विकास हुआ है। सीएसआर का बात हुआ कि इतना इतना उपयोग हुआ पर सीएसआर मद से उसका 5 प्रतिशत विकास के लिये उपयोग किया जाना चाहिये। कोयला और खनिज संसाधन का उपयोग कर रही है तो उसमें भी जिंदल का डीएमएफ फंड में योगदान होना चाहिये। अपने ओपी जिंदल स्कूल में गरीब व असहाय बच्चों को शिक्षा दिया जाना चाहिये ताकि यहां के बच्चे भी पीएससी फाईट करके आपके जैसे पदों पर बैठ सकें। सब यहां कोयला खाने के लिये हैं। अपने दिल पर हाथ रखकर बोले कितने लोग अपने बच्चों को ओपी जिंदल स्कूल में पढ़ा सकते हैं या अपना ईलाज जिंदल हॉस्पिटल में करवा सकते हैं? सभी लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भरोसे हैं और उनकी जान चली जाती है। जिंदल के विस्तार से समस्या नहीं है पर आपत्ति है कि यहां के लोग यहीं के यहीं हैं। जो बाहर का है वो भी यहां का नागरीक है लेकिन जो जन्म से यहां है उसका भी कुछ अधिकार है और कंपनी का भी कर्तव्य होना चाहिये, कंपनी कर्तव्य का निर्वहन नही कर पा रही है। जिला प्रशासन से अनुरोध है कि कर्तव्य का निर्वहन करने के लिये कंपनी को आदेशित करें। इसलिये विरोध हो रहा है। पूर्व में यह प्लांट 0.7 मिलियन टन उत्पादन कर रही है और अब 3 मिलियन टन प्रतिवर्ष उत्पादन करेगी। और सभी नदियो का पानी सोककर सारी प्लांट ले रही हैं। बरसात के बाद बालू का लेवल ऊंचा रहता है लेकिन 2–3 महीने में सब ले जा रहे हैं और मिट्टी तक को नहीं छोड़ रहे हैं ये। जिंदल के आने के बाद और इनका उपयोग ग्रामवासी के लिये नहीं अपने निजी विकास के लिये हो रहा है। विकास करें लेकिन सीएसआर का मूल प्रतिशत विकास में जाना चाहिये लेकिन जिंदल प्रबंधन आंख बंद करके है और केवल कुछ लोगो को ही लाभ पहुचाया जा रहा है। जल ही नहीं खनिज संसाधन का दोहन कर रहे हैं, आज भी पूर्व सांसद नवीन जिंदल जी कोयला अपराध में कोर्ट में पेशी जा रहे हैं। क्या इसको अनदेखा कर सकते हैं? नवीन जिंदल यहां आये और गांव को देखे आते हैं तो भी गांव का निरीक्षण नहीं करते, उनको करना चाहिये। छत्तीसगढ़ के खनिज संपदा का दोहन कर रहे हैं तो हमारे प्रति भी उनका कोई कर्तव्य है। एक बार हमने जमीन देने के बात उनको रोजगार की ही मांग कर रहे हैं। कोई यहां का व्यक्ति बी.टेक किया है और बाहर से कोई बी.टेक. करके आता है तो तो उनके वेतन में भी विसंगती होती है आप पता कर लीजिये, उनकी वेतन समान होनी चाहिये। जिंदल द्वारा ऐसे जगह में नौकरी दिया जाता है कि मजबूरन 6–7 महीने में नौकरी छोड़कर चला जाये इसलिये इसका विरोध हो रहा है, नही तो हम विरोध क्यों करेंगे लेकिन दुख होता है जब यहां के स्थानीय लोगों को वो हक और अधिकार नहीं मिलता है जो मिलना चाहिये। इनके अस्पताल में विश्व स्तर के सुविधा है पर क्या उनका उपयोग करने के लिये हम आयुष्मान कार्ड के भरोसे रहें जबकि जिंदल यहां के संपदा का उपयोग कर रही है, ईलाज के लिये जाये तो मर जायेंगे लेकिन यहा गरीबो का ईलाज

नहीं किया जाता है, अगर उनका विकास हो रहा है तो यहां के जीवनशैली का भी विकास हो। यहां प्रतिवर्ष मजदूरों का मेडिकल करवातें है और अपने ही जिंदल अस्पताल में किये मेडिकल को स्वीकृत करता है ये कहा का नियम है? मतलब जिंदल के अलावा किसी भी डॉक्टर योग्य नहीं कि वो मेडिकल कर सके। मैं विरोध तर्क से करूंगा। मैं अगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से भी मेडिकल करवाता हूं तो मान्यता होनी चाहिये। 1050 रूपये का एक मजदूर प्रतिवर्ष मेडिकल करवायेगा। मैं अगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है तो उनको से भी मेडिकल करवाता हूं, तो उनको मानना पड़ेगा। लेकिन जिंदल अस्पताल को 1050 रूपये चाहिये जो भ्रष्टाचार हो रहा है वो टेस्ट के नाम पर छूट हो जाये। हमारे छत्तीसगढ़ में इतना ज्यादा नहीं पढ़े है जो 250 पन्ने के ई.आई.ए. रिपोर्ट को पढ़ सके लेकिन आप लोग को 10 कि.मी. के अंदर में पार्षद और पंच को एक एक कॉपी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी बन रही थी। किसी भी पंच, सरपंच, बीडीसी, पार्षद हो मिला है क्या? हमारे रायगढ जिले के सांसद माननीय गोमती साय महोदया और उच्च शिक्षामंत्री माननीय उमेश नंदकुमार पटेल जी है, पर क्या उन्होने अपना प्रतिनिधि इस जनसुनवाई में भेजा है या स्वयं आये हैं? क्या कांग्रेस और बीजेपी की जिम्मेदारी नहीं है कि वो अपने मतदाता की बातों को यहां रख सकें? जहां परिवर्तन होता है वहां विकास का स्वर गुंजेगा। मैं पूर्ण रूप से जिंदल का विरोध करता हूं। यदि आप मेरे बात कर्यवाही नहीं करेंगे, मैं पावती लेकर जाउंगा तो मैं न्यायालय के शरण में जाउंग मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

288. – मैं जिंदल का पुरजोर विरोध करता हूं। ये वादाखिलाफी करते हैं और सीएसआर कि बात करते हैं इनके वादे की खोखले हैं। राजनीति गलियारों में जिंदल चाटुकारी करके अपना अस्तित्व बनाया है। भू–अर्जन में किसानों का नौकरी नहीं मिला दरबदर भटक रहें। जिंदल खाली भोली भाली जनता को ठग रही है, हमारे गांव से निकलते ही हमारे चेहरे पर फ्री का डस्ट लग रहा है जो जिंदल का है। जिंदल यहां क्या कर रही है? शासन भी उसका साथ दे रही है। जिंदल यहां कठपुतली बनकर स्वास्थ्य के साथ खेल रही है। शिक्षा की बात करते है यहां शिक्षा गुणवत्ता शून्य है। सीएसआर के नाम पर बस फंडिग हो रहा है। सार्वजनिक करें कि सीएसआर की तहत कितना मिला कोकड़ीतराई को। जिंदल वादा खिलाफी का दूसरा नाम है और मैं जिंदल का पुरजोर विरोध करता हूं।

289. मिता महंत, कोसमपाली– मेरे बच्चों का नौकरी चाहिये। मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

290. सविता महंत, कोसमपाली– मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

291. कुंजिता महंत, कोसमपाली – मैं एक एजुकेटेड पोस्ट ग्रेजुऐट लड़की हूं। मैं चाहती हूं मुझे भी नौकरी मिले।

292. सावित्री महंत – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करती हूं।

293. सुनील कुमार घृतहलरे – मैं यहा विरोध में आया हूँ। 11 बिंदुओं पर हमको जवाब दे दीजिये हम विरोध नहीं करेंगे, यहा से चले जायेंगे और जवाब नहीं देंगे तो सीधी सी बात है कुछ तो गलत है। कई लोग

समर्थन में बोले है, कई लोग विरोध में बोले हैं। कोई विस्तारीकरण होता है या नया प्लांट खुलता है तो इसका प्रभाव तत्काल नहीं पड़ता है, बाद में पड़ेगा, जिसका प्रभाव हमारे बाल बच्चों पर पड़ेगा। आज रायगढ़ का टेम्प्रेचर 45 डिग्री से अब 50 डिग्री टच करने वाला है और टेम्प्रेचर धूल, मिट्टी और पेड़ कटाई के वजह से बढ़ रहा है। आज हमारे पास ए.सी. और कार नहीं है आने वाले समय में कैसे हमारे बच्चे 55 डिग्री के तापमान को सहेंगे। आप नियम से नही चल रहे हैं तब आपका विरोध हो रहा है। रायगढ़ के आस पास के 10 कि.मी. के अंदर तक रोड का विस्तार एवं चौड़ीकरण नहीं हुआ है। अभी रायगढ़ आये हैं वो रोड कितना गंदा है। पहले रोड बनाईये आप। प्रतिवर्ष 876 लोगों की मौत दुर्घटना से हो रही है। भारी वाहनों का कोई मापदण्ड नहीं है कितना होना चाहिये। पहले रोड बनाईये, इन्फ्रास्ट्रक्चर को ठीक कीजिये फिर विस्तार कीजिये। तीन गुना विस्तार होगा तो तो 3000 से ज्यादा भारी वाहनों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे भी रायगढ़ में रोड नहीं है तो 3000 वाहनों को आप कहा से जगह दोगे और प्रतिमाह मौत कितने होंगे? सड़क दुर्घटना मे मरने वालों को 50 हजार या 02 लाख मुआवजा और बात खत्म। प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि दिन में 02 बार पोंछा कर रहे है तो पीएम 2.5 का मापदण्ड कितना है उसे 50 से 100 मि.ग्रा. के बीच होना चाहिये जो कि नहीं है, आज पीएम 2.5 का रिपोर्ट 150 से पार हो गया है। पी.एम.10 का रिपोर्ट 150 से कम होना चाहिये लेकिन आज 250–300 तक हो गया है। अगर प्लांट को अनुमति मिलता है तो पानी दोहन 03 गुना बढ़ जायेगा ऐसे भी में साफ पानी नहीं मिल रहा है। आने वाले समय में मैं चेतावनी दे रहा हूं गलत तरीके से विस्तारीकरण होता है तो आम आदमी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। दिल से बोलों ये जनसुनवाई कि अनुमति होना चाहिये या नहीं? अगर आपको लग रहा है तो समर्थन करें लेकिन आप पॉवईंट पर बात करें। आप पी.एम. 2.5 और पी.एम. 10 का रिपोर्ट दिखाईये? एन.जी.टी. का रिपोर्ट कहा है? सबको पता है ये जनसुनवाई कैसे हो रहा है? जिंदल साहब और पूंजीपति कहा रहते हैं? सब विदेश में रहते है, उनके बच्चे विदेश में पढ़ रहे हैं। रायगढ़ केवल पैसा कमाने का मशीन है लेकिन उसका दुष्प्रभाव कौन झेल रहा है? हमलोग झेल रहें हैं, हमारे बच्चे झेल रहें हैं, ये नहीं होना चाहिये, इसका हम विरोध आगे भी करते रहेंगे तो इस जनसुनवाई का निरस्तीकरण होना चाहिये। धन्यवाद।

294. रेशमलाल पटेल, धनांगर– मेरी लगभग 10–11 एकड़ जमीन थी जितनी भी जमीन थी उसमें से 70–80 प्रतिशत जिंदल क्रय करके ले गई। 2003 की बात है पहले डैम बना उसके लिये फिर गेजामुड़ा में सीमेंट प्लांट बना के लिये और बोले जॉब देंगे हम लोग लाईजनिंग विभाग में दौड़ दौड़कर थक गये कोई रिस्पांस नहीं आया और यहां सीमेंट प्लांट के समीप मेरा लगभग 2.5 एकड़ जमीन है जिसमें डस्ट और प्रदूषण के कारण उपज नहीं हो रहा है मैं किसान आदमी हूं, न मुझे जमीन मिल रही है न मुझे जॉब मिल रही है, मैं बीच में फंसा हुआ हूं। एक जमाने में मेरे दादाजी ने जितना पेड़ लगाया था सबको काट के सुनसान कर दिया है। जमीन की उर्वरता और नमी खत्म हो गई है और जिस रास्ते से छोटा गाड़ी अच्छे से नहीं जाता उसमें 12 चक्का और 16 चक्का के गाड़ी को घुसाया जा रहा है। जमीन के बदले नौकरी देंगे बोले वो भी

नहीं दे रहे 20000 से 25000 रूपये प्रति एकड़ से जमीन हमारा लिये हैं ये बोल के जॉब देंगे और जॉब भी नहीं दिये जो थोड़ा बहुत जमीन बचा था जिसमें मैं अपनी आजिविका चला रहा था उसमें भी डस्ट गिराकर खेती करने नहीं दे रहें हैं। संजू चौहान, शुक्ला और रामलाल ये सब मीठी–मीठी बात करके घुमाते हैं काम के दिन नही मिलेंगे मेरा जो जमीन बचा है 2.5 एकड़ उसे भी दे दो फिर जॉब देंगे बोल रहें हैं और 20–24 लाख एकड़ में जमीन खरीद रहे हैं लेकिन एनएच में जमीन गया है वो 70–80 लाख एकड़ में गया है। मेरा जो 2.5 एकड़ है उसमें से 50 डिसमिल दे दूंगा लेकिन मुझ जॉब दे दो लेकिन संजू चौहान बोल रहा है पूरा 2.5 एकड़ दे दो फिर जॉब देंगे और जीमन ले के जॉब नहीं दिये तब तो मैं कटोरा ले के भीख मांगूंगा। जिंदल के हिसाब से मैं पढ़ाई भी किया युजी, पीजी, आईटीआई, पॉलिटेक्निक किया फिर भी मैं बेरोजगार हूं। खेती कर रहा हूं मेरे पूरा परिवार का भरण पोषण कर रहा हूं इतनी मंहगाई में, कैस कर रहा हूं ? समझ लीजिये आप। मेरी 6 साल की बच्ची कैंसर से पीड़ित है जिसका एक लीवर डैमेज हा चुका है, मैं किसी तरह उसका ईलाज करवा रहा हूं जमीन गिरवी रखके, न जिंदल, न शासन और न ही किसी नेताओं द्वारा मेरा सहयोग किया गया। और ये बीमारी जिंदल की प्रदूषण के कारण हुआ है जो छोटे छोटे धूल के कण होते हैं वो हमारे शरीर मे जाके कैंसर और टीवी जैसे बीमारी बनाते हैं। पहले लोग 80–90 साल जीते थे और आज 40–50 साल से ज्यादा नहीं जी पा रहे उसका कारण है प्रदूषण और प्रदूषण का कारण है कंपनी और जितना विस्तार होगा उतना प्रदूषण होगा। पैसा देके सबको समर्थन के लिये लाया गया था जो कि 70 प्रतिशत बाहर के व्यक्ति थे यहां के लोकल लोग विरोध कर रहें हैं। हमारे गांव में 70–80 लोग बेरोजगार हैं लेकिन उनको आजतक रोजगार नहीं मिला। कलेक्टर और एसडीएम के पास भी गये लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बिना जमीन वाले जाये तों जमीन वालों को नौकरी देंगे बोलते हैं और जमीन वाले जाये तो गोदनामा गांव के लोगों को नौकरी देंगे बोलते हैं। मेरी बेटी जो कैंसर पीड़ित है उसका ईलाज मैं कैसे कर रहा हूं मैं ही जानता हूं, मेरी बेटी को कैंसर होने का पूरा श्रेय जिंदल को ही जाता है। अब इतने छोटे बच्चे प्रदूषण में रहेंगे तो बीमारी होगा ही किसी का इम्युनिटी कम होता है तो बीमार हो जात है और किसी का ठीक रहता है तो बीमार नहीं होते। अब आप ही बताईये मैं क्या करू? जब से मैं 12 वीं पास हुआ हूं तब से नौकरी के लिये उनके पास दौड़ रहा हूं, 15–20 साल हो गये जो जमीन बचा है उसे भी दो फिर नौकरी देंगे बोलते हैं, जमीन देने के बाद भी नौकरी देंगे उसकी क्या गारंटी है? तो मेरे हिसाब से विस्तार नहीं होनी चाहिये। कोसमपाली से जो सड़क गया है उसमें मेरा थोड़ा जमीन है उसमें भी डस्ट गिराकर खत्म कर रहें है मेरे पास इतना पैसा नहीं है कि मै डस्ट को हटवा सकूं, ऐसा ये इसलिये कर रहे है कि ये खेती न कर पाये और हमें ही जमीन दे। मेरी पीड़ा सब युवा की पीड़ा है। 10–15 साल से चक्कर लगा रहें है चप्पल घिस रहा है नौकरी नहीं मिल रहा है। सीएसआर की बात करें तो जिंदल की बेनिफिट का 5–10 प्रतिशत को गांव के स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़क पर कार्य करना चाहिये। स्वास्थ्य जांच वाली गाड़ी 4–5 साल हो गये आज तक हमारे गांव में नहीं आई है। किसी प्रकार

का कोई सुविधा नहीं मिल रहा है। मैं हताश हो गया हूं, व्यक्ति हताश होके गलत रास्ता भी पकड़ लेता है। जिंदल के ऊपर भरोसा नहीं है, शासन के ऊपर भरोसा करके अपनी बात रख रहा हूं। धन्यवाद।

295. सत्यप्रकाश महंत, कोसमपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन कर रहा हूं। मैं जिंदल प्रबंधन को बोलना चाहूंगा कि हमें योग्यातानुसार किसी भी प्रकार का रोजगार दिया जाये। जय हिन्द, जय भारत।

296. प्रवेश कुमार सारथी, बघनपुर– मेरा विषय है रोजगार मिलना चाहीये। सभी जगह प्रदूषण है, गोदनामा ग्राम सब पर्यावरण प्रदूषण में आते हैं। बेरोजगारों के पास नौकरी नहीं है, सभी बीमारी से ही ग्रसित है, सभी को रोजगार मिले। मैं जिंदल का समर्थन करता हूं।

297. हितेश कुमार यादव, कोसमपाली–हमारे गांव का पर्यावरण प्रदूषित हो चुका है। जितने युवाओं का रोजगार नही मिला है उनका मिले आजतक जितना भी मिटींग रखा गया है अभी तक कोई आया नहीं। विरोधक से कहना चाहूंगा कि अपने मतलब के लिये कोई आगे नहीं आया और आज जनसुनवाई का विरोध करते हैं तो गलत बात है। मोबाईल चलाने से और पैदल चलने से भी प्रदूषण होता है। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं। यहां शिक्षा का स्तर बढ़ाया जाये, सीएसआर से स्कूलों में टीचर दिया जाये, यहां टीचर की कमी है। सीएसआर से समर्थन दें, मैं जिंदल का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

298. डोलनारायण पटेल, बरमुड़ा– हमारा गांव इस पंडाल से दक्षिण दिशा में 02 कि.मी. की दूरी पर स्थित हैं। बरमुड़ा से सीमेंट का पहल इकाई 1.5 किमी मे है और दूसरा इकाई 200 मीटर दूरी पर है। हमारा गांव सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। हम विरोध कर रहे गांव के तरह से है। 2010–2011 में 100 एकड़ भूअधिग्रहण में ले लिया 50 एकड़ आपसी सहमति और नहर विभाग 50 एकड़ ले लिया और बचा 250 एकड़ उसमें भी सुनने को आ रहा है भू अधिग्रहाण होगा तो फिर क्या शेष बचेगा। सीमेंट प्लांट और भू अधिग्रहण का विरोध हम लोग करते हैं। धन्यवाद।

299. धीरज कुमार उरांव, कोसमपाली– कुछ लोगों ने इसे राजनीतिक मंचा बना रखा है लेकिन यह राजनीतिक मंच नहीं है यह जनसुनवाई मंच है। फैक्ट्री का विस्तार होगा तब तो लोगों को रोजगार मिलेगा तो इसलिये मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

300. विभाष सिंह ठाकुर, किरोड़ीमलनगर– मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

301. विकास कुमार, कोसमपाली– कोसमपाली में आज 70 परसेंट नौकरी मिला है वो संजू चौहान, अवधेश शुक्ला और रामलाल पटेल जी के अथक प्रयास से मिला है। जिनके जमीने भूअर्जन में गई हैं उनको नौकरी मिला और जिनका जमीन नहीं गया है उनको भी नौकरी दिया गया है। प्लांट विस्तार से आस पास के युवाओं को रोजगार के अवसर बढ़ेंगें और कोसमपाली में 100 प्रतिशत सबको नौकरी मिल सकता है। मैं यहीं कहना चाहूंगा। धन्यवाद।

302. सेतकुमार चौहान – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है।

303. विनोद कुमार महंत, कोसपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

304. महेन्द्र कुमार महंत, कोसमपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। हमारे गांव के युवाओं को रोजगार देगा इसी उम्मीद से समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

305. सुरेश चौहान, कोसपाली– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

306. बाबूलाल चौहान, कोसपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

307. बजरंगदास महंत, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। नये प्लांट से हमें रोजगार मिले।

308. मदन चौहान, कोसमपाली – मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

309. सुकेश तिवारी, कोसमपाली– सब लोग अपनी–अपनी विरोध एवं समर्थन कर रहे हैं। अधिकतर विरोध नौकरी के वजह से है यह विरोध नहीं ये एक शिकायत हैं जिंदल के जो अधिकारी है उनको इस बात पर ध्यान देना चाहीये कि स्थानीय लोगों को वे रोजगार देने में सफल नहीं हो पाये होंगे। हर चीज में गुण और दोष होता है ठीक है प्रदूषण होगा पर आस पास के स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी तो मिलेंगे। हमारा आर्थिक स्थिति ठीक होगा तो हम शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना सहयोग दे सकते हैं यदि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगा तो हम आगे कैसे बढ़ सकते हैं? धनागर के एक भाई ने बताया कि उनकी बेटी को कैंसर है ये दुख की बात है और उनको शासन, जनप्रतिनिधि एवं कंपनी से भी सहयोग नहीं मिला ये भी दुख की बात है तो आप जिंदल को आश्वस्त करें कि स्थानीय लोगों का ध्यान रखे और ऐसे लाईलाज बीमारी में लोगों का सहयोग करें। स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देकर अपने प्लांट का विस्तार करें। मैं मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूं।

310. मालती चौहान, कोसमपाली– जिंदल का समर्थन करती हूं।

311. कमला साहू, किरोड़ीमलनगर– मेसर्स जिंदल पैंथर सीमेंट प्राईवेट लिमिटेड का समर्थन है। जिंदल ने हमारे लिये बहुत कार्य किये हैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 05:34 बजे कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये ज्वलंत मुद्दो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंपनी कंसलटेंट श्री दीपक श्रीवास्तव मैनेजमेंट ने मुझे जिम्मेदारी दी है मैं प्लांट लगाऊं और चलाऊं मैं आपका यकीन दिला रहा हूं आप जो प्रदूषण की आप कर रहें हैं हम यहां ऐसा प्लांट लगायेंगे जहां प्रदूषण नहीं होगा जहां आप बोल सकेंगे कि ये प्रदूषणरहित प्लांट है। जहां हम पानी की बात कर रहें हैं, पानी हम

सिर्फ महानदी से लेगें यहां पर कोई बेरवेल नहीं करेंगे और जो भी पानी बचेगा उसे हम डस्ट सप्रेशन में काम लेंगें। ये प्लांट अपने आप में एक मानक प्लांट स्थापित करेगा मैं आपको विश्वास दिला रहा हूं। धन्यवाद।

साथ ही मैं कहना चाहूंगा सीएसआर के बारे में जेएसपीएल के तरफ से जो सीएसआर आस पास के गांव में होता है। मैडम शुरू में ही लोग हमारे बारे मे इतना तारीफ कर चुके हैं सुन के अच्छा लगा। हमारा ध्यान होता है हेल्थ के ऊपर, हम लोग का एक प्रोग्राम चलता है मदर एण्ड चाईल्ड हेल्थ के लिये जो हर एक गांव में है वहां एक स्वास्थ्य संगिनी है जो हर एक लोगों के घर तक पहुंच के काम करती है। बहुत सारे लोग हैं जो गांव में अपने बीमारी का ईलाज नहीं करवा पाते हम लोग उनका मदद करते हैं, हर साल हार्निया, हाइड्रोसील का ऑपरेशन होता है हम लोग के तरफ से होता है, हम लोग समझते हैं ये हमारा दायित्व है, हम कोई बड़ा काम नहीं कर रहे ये हमारा रिस्पाँसबिलिटी है और हमको करके खुशी मिलती है लाइवलीहुड यहां की एक बड़ी समस्या सीएसआर से लाईवलीहुड पर बहुत काम होता है। आस पास गांव के महिलाओं को स्व सहायता समूह को ट्रेनिंग दिया जाता है उनको अलग अलग इनकम जनरेशन वेन्चर के लिये जोड़ा जाता है, उनको फाईनेनसियल सपोर्ट हम लोग देते हैं, उनको सामान बेचने के लिये जो मदद चाहिये होता है वो हम लोग करते हैं ये तो लेडिस के काम हो गये। हम बहुत सारे युथ्स को ट्रेनिंग दे चुके हैं ओपीजेसी सीमेंट में ओपी जिंदल कम्युनिटी पूंजीपथरा में, स्कील ट्रेनिंग के बाद हम उनका अलग अलग जॉब से लिंक कर रहे हैं। रिसेंट में कुछ 1–2 महीने पहले हमने नया प्रोजेक्ट चालू किया जिसमें हम लोग नर्सिंग, ब्युटिशियन, कम्प्युटर का ट्रेनिंग करवा रहे हैं इसमें हम लोग जिनके साथ काम कर रहे हैं उनमे से मोर देन 60 प्रतिशत लोगों को जॉब मिलेगी और सब यहीं पास के युथ हैं इसी प्रोजेक्ट को हम लोग और मल्टीप्लाई करेंगे। एजुकेशन के बारे में बहुत से लोगों ने डिसकस कर चुके हैं, बहुत सारे गरीब बच्चों को हम लोग स्कॉलरशीप देते हैं हायर एजुकेशन के लिये, इन्फ्रास्ट्रक्चर का लोग बात करते हैं लेकिन हम लोग इन्फ्रास्ट्रक्चर को लाईवलीहुड, स्कॉलरशीप के बाद देखते है, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान देते हैं। एक दो गांव ही छुटा होगा बाकी सब गांव में तालाब क्लिीनिंग, तालाब सौंदर्यीकरण, तालाब गहरीकरण ये सब करते ही हैं, कांक्रीट रोड्स बनाते हैं विलेजेस में, मेन रोड सीएसआर में क्वालीफाई नहीं कर पाते हम लोग नही बना पाते है लेकिन विलेजेस का रोड हम लोग बनाते हैं और कम्युनिटी हॉल, जीप का कन्स्ट्रक्शन ये सब काम हर एक विलेज में होता है। कुछ कुछ स्पेशल गांव है जिसमें से एक धनांगर है जिसमें हम लागों ने वेलकम गेट बनायें, एक बेकरी मेकिंग युनिट बनाये तो ये सब काम हम लोग कर रहें हैं और आगे भी करते रहेंगे ये जिंदल का जिम्मेदारी है। धन्यवाद।

कुछ प्रश्न ये जो ईआईए रिपोर्ट बनी हुई है उस पर आये थे एक था कि पब्लिक हीयरिंग 45 दिनों के अंदर हो जाना चाहिये लेकिन उसके एक से डेढ़ साल का टाईम लगा मैं बताना चाहूंगा कि ये एक प्रोजेक्ट है मिनिस्ट्री में जो सबमिट हुआ था वो मार्च 2022 में सबमिट हुआ था, और अभी हम दिसम्बर 2022 पब्लिक हीयरिंग में जो डॉक्युमेंट सबमिट हुये थे अक्टूबर में सबमिट हुये थे और नवम्बर इण्ड में हमें पब्लिक हीयरिंग की डेट मिल गई थी तो एस पर दि प्रोसिजर है नोटिफिकेशन 14 सितंबर 2006 में जो प्रोसिजर है उसके एकॉर्डिंग पब्लिक

हीयरिंग हो रही है। दूसरा था कि सभी गांवों में इआईए रिपोर्ट सबमिट नहीं की जाती है तो जहां जहां ग्राम पंचायत होते हैं वहां ये रिपोर्ट सबमिट की गई है वहां पर कॉपी उपलब्ध हैं। सभी लोग इसे विस्तार कह रहे थे पर ये जिंदल पैंथर सीमेंट एक नई परियोजना है ये हम पहली परियोजना का विस्तार नहीं कर रहे हैं। एक प्रश्न था कि हम 33 प्रतिशत ग्रीन बेल्ट नहीं करेंगे देखिये हर चीज के लिये सर्टिफिकेशन होता है, रिजनल ऑफिस होते हैं मिनिस्टरी के कोई भी कंपनी कम्प्लाईन्स नहीं करता है तो वे सर्टिफाई करते हैं अगर हम कहीं पर भी नॉन कम्प्लाय कंडिशन करते हैं तो हमारी ईसी रिवोक हो सकती है तो ऐसा कोई काम कंपनी नहीं करती है सारे मानकों को ध्यान में रखकर दिशा निर्देशों को पालन करते हुये सारा काम करती है और एक प्रश्न की लाईम स्टोन रोड से ट्रांसपोर्ट होगा जैसे कि मैने पहले बताया था कि जयरामनगर तक बाई रोड आयेगा फिर वहां से रेल लाईन के थ्रु यहां आयेगा। धन्यवाद।

सुनवाई के दौरान 36 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 79 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई। लोकसुनवाई का कार्यवाही संपन्न होने के पश्चात् सायं 05:40 बजे धन्यवाद ज्ञापन के साथ लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की गई।

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(संतन्ना देवी जांगड़े)
अपर कलेक्टर
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)